रविवार
06 मार्च 2022

पृष्ठ 4

सुबह खाली पेट कीवी खाना सेहत लिए है बहुत लाभकारी

पृष्ठ 5

कथक सीख रही है शरवरी वाघ

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 41
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

लोहा गरम भले ही हो जाए पर हथौड़ा तो ठंडा रह कर ही काम कर सकता है।
– सरदार पटेल

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

मतगणना की अब तैयारी अब की बारी, किसकी बारी

विशेष संवाददाता

देहरादून। मतगणना की तैयारियां शुरू हो चुकी है, जिला प्रशासन तो मतगणना की तैयारियों में जुटा ही है इसके साथ-साथ राजनीतिक दल भी मतगणना की तैयारियां कर रहे हैं। भाजपा और कांग्रेस ने मतगणना के दौरान अपनी व्यवस्था रणनीति पर मंथन के लिए कल सोमवार को पदाधिकारियों की बैठकें बुलाई गई है।

बीती 8 जनवरी को निर्वाचन आयोग द्वारा पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा के साथ शुरू हुई चुनावी प्रक्रिया अब अंतिम दौर में पहुंच चुकी है। 10 मार्च को होने वाली मतगणना के साथ ही उत्तर प्रदेश और

❑भाजपा व कांग्रेस की बैठक कल
❑डीजीपी ने दिए अधिकारियों को निर्देश

उत्तराखंड सहित सभी पांच राज्यों में नई सरकारों के गठन का प्रारूप तय हो जाएगा। उत्तराखंड की पांचवीं विधानसभा के चुनाव के लिए 14 फरवरी को मतदान हुआ था।

राज्य की सभी 70 विधानसभा सीटों पर इस बार 632 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं, जिनके भाग्य का फैसला 10 मार्च को होगा, जो अब करीब आ चुकी है। जैसे-जैसे मतगणना का समय नजदीक आता जा रहा है नेताओं और राजनीतिक दलों की धड़कनें भी तेज होती जा रही है। इस बार भी राज्य में मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच ही माना जा रहा है, लेकिन आप की चुनाव मैदान में मौजूदगी परिणामों में उलट-पुलटकारी मानी जा रही है।

मतगणना को लेकर पुलिस-प्रशासन ने तैयारी शुरू कर दी है। डीजीपी अशोक कुमार द्वारा पुलिस अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए गए हैं कि वह मतगणना के दौरान निर्वाचन आयोग द्वारा तय नियम और कानूनों का अनुपालन सुनिश्चित करें। मतगणना स्थलों पर की जाने वाली सभी व्यवस्थाओं को समय पूर्व ही पूरा

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

बीएसएफ जवान की गोलीबारी में चार जवानों की मौत, खुद की भी ली जान

अमृतसर। पंजाब के अमृतसर में तैनात सीमा सुरक्षा बल की एक मेस में फायरिंग की खबर है। इस हादसे में पांच जवानों की मौत हो गई है, जबकि एक जवान गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल जवान की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना आज रविवार को अमृतसर के खासा में १४४वीं बटालियन के मुख्यालय में हुई, जब कॉन्स्टेबल सत्तेप्पा एस ने फायरिंग कर दी। इस घटना में आरोपी कॉन्स्टेबल सत्तेप्पा समेत ५ सैनिकों की जान चली गई है। इनमें घायल निहाल सिंह निवासी यू.पी. की हालत काफी गंभीर बताई जा रही है।

सीमा सुरक्षा बल के अधिकारियों ने जानकारी दी है कि इस घटना में घायल एक जवान की हालत नाजुक बनी हुई है। फायरिंग के कारणों का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश दे दिए गए हैं। इस घटना में मरने वाले जवानों में हेड कॉन्स्टेबल डीएस तोरसाकार, हेड कॉन्स्टेबल बलजिंदर कुमार, कॉन्स्टेबल रतन चांद भी शामिल हैं। इस बीच, सभी घायलों को गुरु नानक देव अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

यह घटना भारत–पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास अटारी–वाघा सीमा क्रॉसिंग से करीब २० किलोमीटर दूर खासा इलाके में बल के भोजनालय में हुई। अधिकारियों ने बताया कि जिन कर्मियों की मौत हुई, उनमें गोलीबारी करने वाला जवान भी शामिल है।

यूक्रेन प्लूटोनियम आधारित परमाणु हथियार बनाने के करीब थाः रूस

रूस के यूक्रेन में आक्रमण करने के बाद से कोहराम मचा हुआ है। हर तरफ दहशत का माहौल हैं और लगातार बमबमारी हो रही है। लाखों लोगों ने यूक्रेन छोड़कर पड़ोसी मुल्कों में शरण ली है। इस बीच रूस की मीडिया ने रविवार को दावा किया यूक्रेन प्लूटोनियम आधारित डर्टी बम परमाणु हथियार बनाने के करीब था। हालांकि इसको लेकर उसने को सबूत नहीं दिया है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने २४ फरवरी को यूक्रेन पर आक्रमण करने का आदेश दिया, जिसका उद्देश्य अपने पश्चिमी समर्थक पड़ोसी कीव को नाटो में शामिल होने से रोकना था।

समाचार एजेंसियों ने रविवार को रूस में एक सक्षम इकाई के प्रतिनिधि के हवाले से कहा कि यूक्रेन नष्ट हो चुके चेर्नोबिल परमाणु ऊर्जा संयंत्र में परमाणु हथियार विकसित कर रहा था जिसे साल २००० में बंद कर दिया गया था। यूक्रेन की सरकार ने कहा है कि सोवियत संघ के टूटने के बाद १९९४ में अपने परमाणु हथियार छोड़ने के बाद परमाणु क्लब में फिर से शामिल होने की उसकी कोई योजना नहीं थी।

आक्रमण से कुछ समय पहले पुतिन ने एक शिकायत भरे भाषण में कहा कि यूक्रेन अपने परमाणु हथियार बनाने के लिए सोवियत तकनीक का उपयोग कर रहा था और यह रूस पर हमले की तैयारी के समान था। रूसी समाचार एजेंसी ने दावे के लिए कोई सबूत पेश नहीं किया।

देश में पिछले 24 घंटे में आए 5476 नए केस, 158 मरीजों की मौत

नई दिल्ली । देश में करोना के केसों में कमी आई है, रविवार को स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक बीते २४ घंटे में देश में कोरोना के ५,४७६ नए केस सामने आए हैं और १५८ लोगों की मौत हुई है, जबकि ६,७५४ लोग ठीक होकर अस्पताल से लौटे भी हैं। देश में इस वक्त कोरोना के ४,२६,६२,६५३ कुल केस हैं तो वहीं कोरोना के सक्रिय मामले ५६,४४२ हैं, जबकि अभी तक देश में ४,२३,८८,४७५ लोगो कोरोना से ठीक भी हो चुके हैं, जबकि मौत कीा आंकड़ा ५,१५,०३६ पहुंच चुका है, देश में अभी तक १,७८,८३,७६,२४६ लोगों का वैक्सीनेशन हो चुका है।

वहीं उपचाराधीन मरीजों की संख्या

गिरकर ५६,४४२ रह गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के रविवार सुबह ८ बजे जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, पिछले २४ घंटे के दौरान १५८ मरीजों की मौत हुई है, जिन्हें मिलाकर अब तक ५,१५,०३६ लोगों की इस महामारी से मौत हो चुकी है।

देश में पिछले २८ दिन से संक्रमण के दैनिक मामले एक लाख से कम रहे हैं। मंत्रालय ने कहा कि देश में अभी ५६,४४२ लोगों का कोरोना वायरस संक्रमण का इलाज चल रहा है, जो कुल मामलों का ०.१४ प्रतिशत है, जबकि मरीजों के ठीक होने की दर ९८.६५ प्रतिशत है। इसके मुताबिक, अब तक ४,२३,८८,४७५ लोग संक्रमणमुक्त हो चुके हैं जबकि कोविड–१९ से मृत्यु दर १.२० प्रतिशत है। आंकड़ों के मुताबिक, देश में अब तक कोविड–१९ रोधी टीके की १७८.८३ करोड़ खुराक दी जा चुकी हैं।

भारत में कल (शनिवार) कोरोना वायरस के लिए ९,०६,९८५ सैंपल टेस्ट किए गए, कल तक कुल ७७,२८,२४,२४६ सैंपल टेस्ट किए जा चुके हैं।

जानलेवा भीषण युद्ध और खामोश बुद्ध

शमीम शर्मा

बातें तो हम बुद्ध की करते हैं पर करते युद्ध हैं। आंख के बदले आंख निकालने की नीति पर तो पूरा विश्व अंधा हो जायेगा। ज़रा अपने से बाहर तो देखो। कुदरत में मक्खियां मीठा शहद बनाने में जुटी हैं और कीड़े रेशम बुन रहे हैं। दूसरी तरफ दुनिया के राष्ट्राध्यक्ष ज़हरीले बम और मिसाइल चलाने में जुटे हैं। कई साल पहले एक कहानी पढ़ी थी, जिसमें कुछ बन्दर एक सवाल का उत्तर जानने के लिये कब्र को खोदकर डार्विन को खींच कर बाहर निकाल लेते हैं। वे डार्विन से पूछते हैं कि आपने कहा था कि मनुष्य बंदरों का विकसित रूप है पर हम आपके इस तथ्य से सहमत नहीं हैं। आप हमें यह बतायें कि मनुष्य बंदर का विकसित रूप है या विकृत? और सवाल सुनकर डार्विन नि:शब्द हो जाते हैं। सभ्यता और विकास को भाले की नोक पर लटका कर नेतागण बंदूक की नोक से हमारे दिलों पर सुख-शान्ति लिखना चाहते हैं। जिन गलियों में बच्चों को खेलना था, वहां आज टैंक विचरण कर रहे हैं। आज दो देश एक-दूसरे को युद्ध की भट्ठी में झोंक चुके हैं और कुछ तैयार बैठे हैं। कुछ युद्ध की आग में घी डाल रहे हैं तो कुछ इस आग पर रोटियां भी सेंक रहे हैं। हर युद्ध का अन्त तो सुनिश्चित है। अन्त के बाद नेता हाथ भी मिला लेंगे और गले भी मिलेंगे, विदेश नीतियों पर चर्चा होगी, एम्बेसडर्स चमचमाती गाड़ियों में आयेंगे-जायेंगे। जंग तो चंद रोज होती है पर जिंदगी बरसों तक रोती है। आवाम को ठंडे चूल्हों में आग फिर से सुलगाने के लिये नाकों चने चबाने पड़ेंगे। अपनी जान बचाने के लिये जो लोग अपने घरों को कंधों पर लेकर कफन पहन भाग खड़े हुये थे, लौटने की चाह में चाहे उनके पांवों में गति आयेगी पर उजड़ा घर देखकर उनकी रूह कांप उठेगी। जान देने वालों को वीरगति-प्राप्त कहा जायेगा। मेडल-तमगे दिये जायेंगे। विधवाओं के आंसुओं को पोंछने की तरकीबें होंगी। उन सुबकते बच्चों को बहलाया जायेगा जो बेचारे पटाखों के धमाकों से ही सिहर जाया करते। अब इन बच्चों के कानों में बमों के कोलाहल ने उन्हें सुबकियां भरने और डर के मारे सहम कर रातों को चीखने के पाठ पढ़ा दिये हैं। काश! हर युद्ध पति-पत्नी के झगड़ों जैसा हो जहां न खून-खराबा, न नाटो, न थाना, न गवाही। बस दो दिन मुंह फुलाकर अपने आप सुलझ जाता है।

रामधारी सिंह दिनकर की कुछ पंक्तियां ध्यान में आ रही हैं :-

यह देख जगत का आदि सृजन,
यह देख महाभारत का रण।
मृतकों से पटी हुई भू है,
पहचान कहां इसमें तू है।

अच्छी परफॉरमेंस भी लेकर आती है टेंशन

आलोक पुराणिक

मसले टेंशनात्मक हो जाते हैं, जब आपकी जगह लाये गये बंदे ठीक-ठाक नहीं, बहुत ही ठीक-ठाक काम करने लग जाते हैं। सिर्फ सोनम (नोटबंदी फेम) ही बेवफा न थी, सभी बेवफा हैं। क्रिकेट मैचों में दर्शक विराट कोहली को देखकर तालियां बजाते थे, कुछ मैचों में विराट कोहली टीम में न रहे, और उनकी जगह रोहित शर्मा ही कैप्टन रहे, और कोई और खिलाड़ी विराट कोहली की जगह खेला। लोगों ने याद ही न किया विराट कोहली को, क्योंकि जो नये खिलाड़ी टीम में आये हैं, उनकी परफॉरमेंस इतनी शानदार रही है कि पुराने याद नहीं आ रहे हैं।

रवींद्र जडेजा वापस आये हैं, धुआंधार खेल दिखाया। श्रेयस अय्यर ने धुआंधार खेल दिखाया। अब सिलेक्टर के सामने टेंशन यह है कि इन्हें कैसे हटाया जाये। श्रेयस अय्यर और रवींद्र जडेजा को सिर्फ इसलिए बाहर कैसे करें कि विराट कोहली को लाना है। विराट कोहली को अपनी जगह बनानी पड़ेगी दोबारा। शानदार अतीत के आधार पर अब नयी कामयाबी किसी को न मिलनी, न कांग्रेस को न विराट कोहली को।खराब परफॉरमेंस दिखा दें रवींद्र जडेजा तो टीम संकट में पड़ जाती है, और अगर अच्छी परफॉरमेंस दिखा दें रवींद्र जडेजा तो सीनियर खिलाड़ियों की दोबारा वापसी पर समस्या हो जाती है। परफॉरमेंस अच्छी हो, तो सबको राहत मिलना जरूरी नहीं है। अच्छी परफॉरमेंस से आफत हो जाती है। पाकिस्तान के एक खिलाड़ी अफरीदी बहुत शानदार खेलते हैं, कुछ पाकिस्तानी लोगों का कहना है कि अगर उन्हें भारत में आईपीएल की नीलामी में शामिल किया जाता, तो उनकी कीमत 200 करोड़ लगती। 200 करोड़ कीमत तो आईपीएल में किसी प्लेयर की न लगी, पर पाकिस्तानियों की उम्मीद है। पाकिस्तानियों की उम्मीदों का कोई अंत नहीं है, भारत के हिस्से वाला कश्मीर भी उनका होगा, इसकी भी उन्हें उम्मीद है। मगर पाकिस्तानी अफरीदी अगर आईपीएल की नीलामी में शामिल होते, तो कई दूसरे खिलाड़ियों को टेंशन हो जाती। अफरीदी पर खर्च करें या ईशान किशन पर, यह सवाल कई आईपीएल टीमों के सामने खड़ा हो जाता। परफॉरमेंस से ही सब कुछ न मिलता, यह बात कंपनियों से लेकर क्रिकेट तक में लागू होती है। अर्जुन तेंदुलकर पुत्र सचिन तेंदुलकर इस बार तीस लाख रुपये के बिके हैं, पिछली बार वह बीस लाख के बिके थे। रेट में पचास परसेंट का इजाफा हो गया, बिना कोई मैच खेले। कई बार बिना कुछ किये बहुत कुछ मिल जाता है, पर इसके लिए जरूरी है कि आपके बाप ने बहुत कुछ कर दिया हो। पर तकदीर की बात भी है। सबको बाप के नाम से न मिलता।अभिषेक बच्चन उस तरह से लकी नहीं हैं कि बिना कुछ किये ही रेट बढ़ जायें। वे तो खुद भी थोड़ा-बहुत कर चुके हैं, पर उनके रेट न बढ़ते। धर्मेंद्र के एक बेटे बाबी देओल का भी कमोबेश यही हाल है। बाप की परफॉरमेंस से पॉलिटिक्स के अलावा कहीं और चलना मुश्किल हो जाता है, क्योंकि पॉलिटिक्स में परफॉरमेंस का कोई खास रोल न होता। पर क्रिकेट और फिल्म में तो कुछ करके दिखाना पड़ता है।

बेलगाम भूमाफिया और खामोश तंत्र

रोहित कौशिक

पांच राज्यों में लोकतंत्र का चुनावी उत्सव खत्म होने वाला है। चुनावी उत्सव का वास्तविक उद्देश्य लोकतंत्र के माध्यम से देश के आखिरी आदमी तक लाभ पहुंचाना है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि अगर कई वर्षों से अन्याय के खिलाफ लड़ रहे इंसान को न्याय न मिल पाए तो क्या इस लोकतंत्र का असली उद्देश्य पूर्ण हो पाएगा? अगर जनहित के लिए संघर्ष कर रहे इंसान को बार-बार सत्ता और राजनेताओं से इंसाफ की भीख मांगनी पड़े तो फिर इतने बड़े चुनावी ताम-झाम का क्या फायदा? उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में सामाजिक कार्यकर्ता मास्टर विजय सिंह पिछले 26 सालों से भूमाफियाओं और भ्रष्टाचारियों के खिलाफ धरने पर बैठे हुए हैं लेकिन उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं है। मास्टर विजय सिंह का कहना है कि सरकार भूमाफियाओं के विरुद्ध कार्रवाई करे और अगर मैं गलत हूं तो मुझे जेल भेज दे।

यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि मास्टर विजय सिंह योगी आदित्यनाथ द्वारा कराई गई जांच रिपोर्ट पर कार्रवाई की मांग को लेकर जब 25 दिसंबर, 2021 को लखनऊ पहुंचे तो उन्हें हजरत गंज कोतवाली पुलिस ने अवैध हिरासत में लेकर पांच घंटे तक कोतवाली में रखा। इसके अतिरिक्त मुजफ्फरनगर की तत्कालीन जिलाधिकारी सेल्वा कुमारी ने धरनास्थल पर उनके साथ अभद्रता करते हुए उनके खिलाफ एक बेहूदा मुकदमा दर्ज करा दिया। लोकतंत्र में अगर जनहित के लिए संघर्ष कर रहे एक सामाजिक कार्यकर्ता का ही शोषण होने लगे तो इससे शर्मनाक कुछ नहीं हो सकता। मास्टर विजय सिंह का आरोप है कि जनपद शामली की ऊन तहसील के गांव चैसाना की करीब चार हजार बीघा सार्वजनिक भूमि समेत उत्तर प्रदेश की कई बीघे भूमि पर भूमाफियाओं का कब्जा है। राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण निष्पक्ष कार्रवाई नहीं हो पा रही है। भूमाफिया और भ्रष्टाचारी जिस भी पार्टी की सरकार आती है, उसी पार्टी में चले जाते हैं। प्रदेश के शामली जनपद के चैसाना गांव निवासी मास्टर विजय सिंह को जब यह पता चला कि गांव सभा की लगभग चार हजार बीघा जमीन पर कुछ दबंगों ने अवैध रूप से कब्जा किया हुआ है तो वे बहुत दुखी और निराश हुए। चैसाना गांव पहले मुजफ्फरनगर जनपद में पड़ता था लेकिन शामली अलग जिला बनने के बाद अब यह गांव शामली जनपद की कैराना तहसील के ऊन ब्लॉक में पड़ता है।

मास्टर जी ने और जांच-पड़ताल की तो पता चला कि इस जमीन पर कानूनी रूप से अवैध कब्जा किया गया है। जब मास्टर विजय सिंह ने भूमाफियाओं के खिलाफ आवाज उठाई तो उन्हें धमकियां मिलनी शुरू हो गईं। मास्टर जी इन धमकियों से डरे नहीं बल्कि उन्होंने निडर होकर इन धमकियों को इस भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ने का हथियार बना लिया। अन्तत: उन्होंने शिक्षक पद से त्यागपत्र दे दिया और भ्रष्टाचार तथा अवैध कब्जों के खिलाफ एक लम्बी जंग छेड़ दी। मास्टर जी के इस सत्याग्रह की गूंज जब शासन तक पहुंची तो तत्कालीन मुलायम सिंह यादव सरकार ने इस भ्रष्टाचार की जांच मेरठ मंडल के आयुक्त एचएल बिरदी को सौंपी। एचएल बिरदी के नेतृत्व में डीआईजी विक्रम सिंह, डीएम सूर्यप्रताप सिंह व अन्य अधिकारियों की टीम गठित की गई। इस टीम ने अपनी जांच में मास्टर विजय सिंह के आरोपों को सही पाया।

मास्टर विजय सिंह के अनुसार भूमाफियाओं ने राजनीतिक संरक्षण के चलते इस जांच रिपोर्ट को निष्क्रिय करवा दिया। इस राजनीतिक दबाव के बावजूद मास्टर जी ने हार नहीं मानी और अपना संघर्ष जारी रखा। इस मामले पर हंगामा बढ़ता देख जांच सीबीसीआईडी के हवाले कर दी गई। सीबीसीआईडी की जांच में भी मास्टर विजय सिंह के आरोपों की पुष्टि हुई। शासन एवं प्रशासन के रवैये से आहत होकर मास्टर विजय सिंह को 26 फरवरी, 1996 को जिलाधिकारी कार्यालय, मुजफ्फरनगर में धरने पर बैठना पड़ा। धरने के बावजूद आला अधिकारियों के कान पर कोई जूं न रेंगते देख इस धरने को अनिश्चितकालीन करना पड़ा। 26 फरवरी, 2022 को इस अनिश्चितकालीन धरने को 26 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। मास्टर जी के प्रयास से करीब तीन सौ बीघा जमीन अवैध कब्जे से मुक्त कराई गई तथा अवैध कब्जे करने वाले लोगों के विरुद्ध 136 मुकदमे दर्ज हुए। इसके अतिरिक्त लगभग 3200 बीघा जमीन पर अवैध कब्जे की पुष्टि हुई। मगर मुक्ति के सम्बन्ध में कोई पहल नहीं हुई है।

सत्याग्रह के बल के आधार पर वे पिछले 26 वर्षों से विभिन्न सरकारों से जनहित में न्याय की गुहार लगा रहे हैं। इसलिए मास्टर विजय सिंह ने समाज के लिए अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया। वे चाहते तो सुखी गृहस्थ जीवन जी सकते थे। लेकिन समाज के लिए उन्होंने अपने घर-परिवार के विरोध को भी दरकिनार कर दिया। सवाल यह है कि क्या इस देश में हिंसात्मक आंदोलन की आवाज ही सुनी जाती है? लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स तथा इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में सबसे लम्बा एकल धरना मास्टर विजय सिंह के नाम दर्ज है। लेकिन उत्तर प्रदेश की विभिन्न सरकारों ने इस अहिंसावादी आंदोलन पर कोई ध्यान नहीं दिया। योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री बनने के बाद यह घोषणा की थी कि भूमाफियाओं पर सख्त कार्रवाई की जाएगी, लेकिन विजय सिंह का कहना है कि भूमाफिया खुले आम घूम रहे हैं।

पिछले 26 वर्षों के दौरान मास्टर विजय सिंह को अनेक बार मानसिक तनाव झेलना पड़ा है। इस गांधीवादी सत्याग्रह के दौरान कुछ दबंगों द्वारा मास्टर जी पर लगातार हमले किए जाते रहे। इस अत्याचार से बचने के लिए उन्हें गांव छोड़ना पड़ा। मास्टर विजय सिंह का परिवार भी उनके इस आंदोलन के साथ नहीं रहा और लगातार उनका विरोध करता रहा। बहरहाल, 26 साल की तपस्या के बावजूद मास्टर विजय सिंह को अभी न्याय नहीं मिला है।

यस्य गा अन्तरश्मनो मदे दृळ्हा अवासृजः।
अयं स सोम इन्द्र ते सुतः पिब।।

(ऋग्वेद ६-४३-३)

हे विद्वान मनुष्य ! तुम ज्ञान के सोम का पान करो और जो वासनारूप शत्रुओं ने तुम्हारी इंद्रियों को दृढ़ता से जकड़ रखा है उन्हें तुम उन शत्रुओं से मुक्त कराओ।

O wise man ! You drink the Soma (elixir) of knowledge, and make your Indriyan free from enemies in the form of lust, who have firmly held your senses.
(Rig Veda 6-43-3)

रेलवे स्टेशन से लापता किशोरी फरीदाबाद से बरामद

संवाददाता

देहरादून। दून रेलवे स्टेशन से लापता मथुरा की किशोरी फरीदाबाद के गेस्ट हाउस से बरामद कर ली। जिसको परिजनो के हवाले किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार परिवार के साथ मथुरा से मसूरी घूमने आई किशोरी वापस लौटते वक्त देहरादून रेलवे स्टेशन से लापता हो गई। परिजनों की तहरीर पर जीआरपी थाना पुलिस ने गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। किशोरी को पुलिस ने फरीदाबाद के गेस्ट हाउस से बरामद किया है। वहां वह मथुरा जिले के ही एक युवक के साथ मिली जो नाई का काम करता है । आरोपी ने वहां छात्रा के साथ दुष्कर्म भी किया। जीआरपी थाना अध्यक्ष डीएस राणा ने बताया कि मथुरा के परिवार ने 3 मार्च को गुमशुदगी दर्ज कराई कि वह मसूरी से ट्रेन से वापस मथुरा जाने के लिए रेलवे स्टेशन पहुंचे। यहां उनकी एक 17 वर्षीय बेटी लापता हो गई। रेलवे स्टेशन पर तलाश की तो उसका कुछ पता नहीं लगा। इसके बाद आईएसबीटी के सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो वहां वह दिखाई दी। उसके बाद पुलिस ने जानकारी जुटाई और फरीदाबाद के गेस्ट हाउस से लड़की को मथुरा के ही नाई का काम करने वाले युवक के साथ एक कमरे से बरामद किया। आरोपी से पूछताछ में पता चला कि वह पिछले 3 साल से उसके संपर्क में था और जब वह मसूरी घूमने आई तो वह भी आया था।इस दौरान मौका पाते ही उसने छात्रा को परिवार से अलग किया। आरोपी ने अपना नाम इमरान बताया। जिसके खिलाफ जीआरपी थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पुलिस ने सीनियर सिटीजंस से मुलाकात कर उनकी खैरियत पूछी

संवाददाता

देहरादून। विकासनगर कोतवाली पुलिस ने सीनियर सिटीजनों से मुलाकात कर उनकी खैरियत पूछी तथा हर समस्या के समाधान का आश्वासन दिया।

आज यहां प्रभारी निरीक्षक कोतवाली विकासनगर द्वारा चीता मोबाइल मे नियक्त कर्मचारियों को थाना क्षेत्र अंतर्गत निवासरत सीनियर सिटीजनो से मुलाकात कर उनकी खैरियत जानने के लिए निर्देशित किया गया। चीता पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र अंतर्गत निवासरत सीनियर सिटीजनो से घर घर जाकर वार्तालाप की गई एवं समस्याओं के बारे में जानकारी दी गई। किसी भी सीनियर सिटीजन द्वारा कोई समस्या नहीं

बताई गई है ,कोई भी समस्या होने पर थाना विकासनगर के लैंडलाइन नंबर 01360-250342 सीयूजी 9411112819 तथा हल्का एवं बीट कर्मचारियों के मोबाइल नंबर उपलब्ध कराए गए, ताकि हर संभव मदद की जा सके, साथ ही सभी को साइबर अपराधों से संबंधित धोखाधड़ी, फेसबुक, मैसेंजर, इंटरनेट चलाते वक्त सावधानी तथा बैंक खाते, एटीएम, नेट बैंकिंग आदि का प्रयोग करते समय सुरक्षात्मक जानकारी एवं सुझाव दिए गए एवं हर संभव मदद उपलब्ध कराए जाने हेतु आश्वस्त किया गया।

स्कूटी सवारों ने छीना मोबाइल

देहरादून (संवाददाता)। स्कूटी सवार बदमाशों ने युवक का मोबाइल छीन लिया और फरार हो गये। पुलि ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार फुलसैनी पौधा निवासी शशि पाण्डेय ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका पुत्र अंकित कोल्हूपानी से घर की तरफ आ रहा था जब वह विश्वकर्मा मन्दिर के पास पहुंचा तभी पीछे से आ रहे स्कूटी सवार दो युवकों ने उसके हाथ पर झपटा मारकर मोबाइल छीन लिया। वह कुछ समझता उससे पहले ही दोनों वहां से फरार हो गये थे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

चोरों ने दो वाहन चोरी किये

देहरादून (संवाददाता)। चोरों ने जनपद के दो स्थानों से दो दुपहिया वाहन चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पटेलनगर निवासी मौहम्मद इकबाल ने अपने घर के बाहर अपनी एक्टिवा खडी की थी तो ओमविहार ऋषिकेश निवासी अनिल सिंह ने सरकारी अस्पताल की पार्किंग में अपनी मोटरसाईकिल खडी की थी। जब वह दोनों थोडी देर बाद वापस आये तो उन्होंने देखा कि उनके वाहन अपने स्थान से गायब थे। पुलिस ने दोनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

नौकरी के नाम पर एमईएस के रिटायर्ड इंजीनियर से ठगे लाखों

संवाददाता

देहरादून। नौकरी के नाम पर एमईएस से सेवानिवृत्त इंजीनियर से 3 लाख 59 हजार रूपये ठग लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार झाझरा निवासी सुरेश सिंह ने साईबर थाने में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि वह इण्डियन आर्मी (एमईएस) से इंजीनियर के पद से 31 दिसम्बर 2021 को सेवानिवृत्त हो गया था। जिसके बाद वह ऑन लाईन नौकरी दिलाने वाली कम्पनियों के सम्पर्क में था तभी नौकरी डाट कॉम नामक कम्पनी ने टाटा प्रोजेक्ट में नौकरी के लिए कहा तो उसने अपने दस्तावेज भेज दिया। ऑन लाईन नौकरी दिलाने वाली कम्पनी के फोन से उसके पास फोन आया और फोन करने व ने अपने आपको टाटा प्रोजेक्ट का अधिकारी बताया तथा उसको इंटरव्यू कॉल के नाम पर गूगल पे पर रूपये मांगे जो उसने भेज दिये। उसने बताया कि समय-समय पर अलग-अलग नम्बरों से उसको फोन आये और उससे विभिन्न मदों में गूगल के माध्यम से रूपये उनके खातों में डलवाये। उसने अलग-अलग तिथियों में अभी तक 3 लाख 59 हजार 908 रूपये उक्त लोगों को दे दिये और अब उनका फोन बन्द जा रहा है। जिसके बाद उसको पता चला कि उसको ठग लिया गया है। साईबर थाने के आदेश पर प्रेमनगर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शिपयार्ड घोटाला और बैंकों की भूमिका

भरत झुनझुनवाला

एबीजी शिपयार्ड पर सरकारी बैंकों को बाईस हज़ार करोड़ रुपये का चूना लगाने का आरोप है। इस कंपनी ने पिछले 16 वर्षों में 165 पानी के जहाज बनाए, जिनमें से 46 का निर्यात किया गया। इतनी बड़ी संख्या में जहाजों का निर्यात करना इस बात को दर्शाता है कि कंपनी सुदृढ़ थी। इसके अतिरिक्त, कंपनी को अंतर्राष्ट्रीय जहाजरानी रेटिंग एजेंसियां जैसे लोयड्स, ब्यूरो वैरिटास, अमेरिकन ब्यूरो ऑफ शिपिंग एवं अन्य द्वारा अच्छी रैंकिंग दी गई थी। इससे पुनः दिखता है कि कंपनी सुदृढ़ थी। लेकिन 2008 के वैश्विक संकट ने कंपनी को झटका दिया। इनके द्वारा बनाए गए जहाजों की मांग कम हो गई और धीरे-धीरे यह कंपनी घाटा खाने लगी। वर्ष 2013 में इस कंपनी द्वारा लिए गए लोन को नॉन परफॉर्मिंग एसेट यानी खतरे के लोन बताया जाने लगा। तब भी इसमें कोई घोटाले का आरोप नहीं था। इसके बाद 2016 की कंपनी के ऑडिट रिपोर्ट में स्पष्ट कहा गया है कि कंपनी के खाते पारदर्शी रूप से प्रस्तुत किए गए हैं यद्यपि कंपनी को घाटा अवश्य लगा है। पुनः घोटाले का कोई संकेत नहीं दिया गया। जनवरी, 2018 में इस कंपनी को लोन देने वाले बैंकों की एक मीटिंग में तय किया गया कि कंपनी के खातों का आपराधिक ऑडिट कराया जाए। इस कार्य के लिए अंतर्राष्ट्रीय सलाहकारी कंपनी अर्न्स्ट एंड यंग को नियुक्त किया गया। अर्न्स्ट एंड यंग ने जनवरी, 2019 में अपनी रिपोर्ट में बताया कि कंपनी ने कुछ रिसाव किया है। कंपनी की विदेशी सब्सिडियों के माध्यम से कुछ रकम अपने निदेशकों आदि के व्यक्तिगत खातों में ट्रांसफर की गई है। लेकिन कितनी मात्रा में यह घोटाला हुआ इसकी सार्वजनिक जानकारी फिलहाल उपलब्ध नहीं है। एबीजी शिपयार्ड को लोन देने वाले बैंक मुख्यतः सरकारी बैंक हैं। आईसीआईसीआई बैंक इनका लीड बैंक है यानी इस विशाल लोन को मैनेज करने की प्रमुख जिम्मेदारी आईसीआईसीआई बैंक ने निभाई थी। अन्य सरकारी बैंक जैसे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, आईडीबीआई बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, इंडियन ओवरसीज बैंक आदि मुख्यतः आईसीआईसीआई बैंक द्वारा लिए गए निर्णयों का अनुसरण करते थे। विशेष बात यह है कि इस पूरे प्रकरण में आईसीआईसीआई बैंक ने चुप्पी साध रखी है। जनवरी, 2018 में आपराधिक ऑडिट कराने की पहल स्टेट बैंक द्वारा की गई। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया द्वारा ही नवंबर, 2019; अगस्त, 2020 एवं अगस्त, 2021 में कई शिकायतें और अंत में सीबीआई इन्क्वायरी की बात की गई। स्पष्ट है कि आईसीआईसीआई बैंक, जिसकी प्रमुख जिम्मेदारी इस लोन को मैनेज करने की थी, चुप बैठा हुआ था और वर्तमान में भी चुप बैठा हुआ है।

आईसीआईसीआई बैंक का इतिहास भी विश्वास नहीं पैदा करता है। वर्ष 2018 में उस समय इसकी प्रमुख चंदा कोचर के पति दीपक कोचर के वीडियोकॉन कंपनी से व्यक्तिगत संबंध थे। वीडियोकॉन को आईसीआईसीआई बैंक ने लोन दिए थे। इसलिए संदेह बनता था कि लोन देने में सतर्कता नहीं बरती गयी थी। इस प्रकरण

एबीजी शिपयार्ड को लोन देने वाले बैंक मुख्यतः सरकारी बैंक हैं। आईसीआईसीआई बैंक इनका लीड बैंक है यानी इस विशाल लोन को मैनेज करने की प्रमुख जिम्मेदारी आईसीआईसीआई बैंक ने निभाई थी। अन्य सरकारी बैंक जैसे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, आईडीबीआई बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, इंडियन ओवरसीज बैंक आदि मुख्यतः आईसीआईसीआई बैंक द्वारा लिए गए निर्णयों का अनुसरण करते थे। विशेष बात यह है कि इस पूरे प्रकरण में आईसीआईसीआई बैंक ने चुप्पी साध रखी है। जनवरी, 2018 में आपराधिक ऑडिट कराने की पहल स्टेट बैंक द्वारा की गई। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया द्वारा ही नवंबर, 2019; अगस्त, 2020 एवं अगस्त, 2021 में कई शिकायतें और अंत में सीबीआई इन्क्वायरी की बात की गई।

में चंदा कोचर को हटाया गया था। इससे पता लगता है कि आईसीआईसीआई बैंक के अंदर सब कुछ ठीक नहीं है।

एबीजी शिपयार्ड मूलतः सुदृढ़ कंपनी थी जैसा कि इसके द्वारा किए गए निर्यात व इसको वैश्विक एजेंसियों द्वारा अच्छी रेटिंग दिए जाने से दिखाई पड़ता है। ऐसा प्रतीत होता है कि इन्होंने अपनी क्षमता से अधिक काम बढ़ा दिया था जैसे कार को यदि ज्यादा तेज चलाया जाए तो वह गर्म हो जाती है। इसी प्रकार यह कंपनी अपनी महत्वाकांक्षा के कारण संभवतः 2008 के संकट के बाद घाटे में आ गई। कहावत है कि व्यापारी की दो पूर्णिमा एक-सी नहीं होती हैं। इसलिए 2008 के संकट के बाद कंपनी द्वारा घाटा खाना कोई विशेष बात नहीं है। विशेष बात यह है कि 2013 में कंपनी को दिए गए लोन के नॉन-परफॉर्मिंग हो जाने के बाद से लेकर आज तक सरकारी लीड बैंक आईसीआईसीआई बिल्कुल चुप्पी साधे हुए है।

इससे पहले भी अपने देश में सरकारी बैंकों द्वारा अनेक घोटाले किए गए हैं जैसे विजय माल्या, नीरव मोदी, आईएलएफएस, पीएसबी बैंक आदि। इसलिए आईसीआईसीआई बैंक द्वारा इस प्रकरण में चुप्पी साधने की तह में जाने की जरूरत है। एबीजी शिपयार्ड को विशेष घटना न मानते हुए सरकारी बैंकों की मूल ढांचागत समस्याओं पर ध्यान देने की जरूरत है। वस्तुतः स्थिति यह है कि सरकारी बैंक के मुख्याधिकारी और सरकारी बैंक के स्वयं के उद्देश्यों में अंतर्विरोध होता है। जैसे मान लीजिए मुख्याधिकारी को 2 करोड़ रुपये प्रति वर्ष का वेतन मिलता है। इन्हें यदि मोटी घूस देकर कोई कंपनी 2,000 करोड़ रुपये का घटिया लोन देने के लिए कहे तो मुख्याधिकारी के लिए घटिया लोन को देना लाभप्रद हो जाता है क्योंकि अगले 10 वर्षों में जितना यह वेतन कमाते उतना इन्हें एक ही दिन में घूस के रूप में मिल सकता है। बैंक को 2,000 करोड़ का घाटा लगे तो वह उनके व्यक्तिगत वित्तीय स्वार्थों को प्रभावित नहीं करता है। इसलिए सरकारी बैंक के मुख्याधिकारी के लिए लाभप्रद होता है कि वह घूस लेकर घटिया लोन दे। इसके विपरीत प्राइवेट बैंक में यदि उसके मालिक को वही कंपनी 20 करोड़ रुपए की घूस देकर 2,000 करोड़ रुपये का घटिया लोन देने के लिए कहे तो मालिक के लिए हानिप्रद होता है क्योंकि 2,000 करोड़ रुपये का जो घाटा लगेगा वह उसका व्यक्तिगत घाटा भी हो जाता है क्योंकि वह कंपनी के मालिक हैं। इसलिए सरकारी बैंकों के मुख्याधिकारी के उद्देश्य बैंक के हित के विपरीत चल सकते हैं जबकि प्राइवेट बैंक के मुख्याधिकारी के उद्देश्य मूलतः बैंक के हितों के सामंजस्य में चलते हैं। यही कारण है कि अपने देश में सरकारी बैंकों के तमाम घोटाले होते रहे हैं और बहुत संभव है कि ये आगे भी होते रहेंगे क्योंकि सरकारी बैंकों का ढांचा ही ऐसा है, जिसमें मुख्याधिकारी के लिए भ्रष्टाचार में लिप्त होना लाभप्रद होता है।

इसका यह अर्थ नहीं कि निजी बैंकों में घोटाले नहीं होते हैं। लेकिन निजी और सरकारी बैंकों के घोटालों में अंतर है। पहला यह कि निजी बैंक में घोटाला हो जाए तो वह रकम जनता से टैक्स वसूल कर भरपाई नहीं की जाती है, जैसे रिक्शा वाले को घाटा लग जाये तो सरकार उसकी भरपाई नहीं करती है। दूसरा अंतर है कि निजी बैंक में अक्सर जमाकर्ता ऊंची ब्याज दर के लोभ में रकम जमा करते हैं। इसलिए उन्हें इस ऊंची ब्याज दर के रिस्क का खमियाजा भुगतना ही पड़ेगा। तीसरा अंतर है कि यदि निजी बैंक में गड़बड़ी होती है तो रिजर्व बैंक के पास पर्याप्त अधिकार है कि उसे ठीक करे जैसा कि कई निजी बैंकों के संबंध में किया गया है। इससे निजी बैंकों में दीमक पूरे बैंक को खा ले, ऐसा तुलना में कम होता है। इसलिए समय आ गया है कि सरकारी बैंकों का पूर्ण निजीकरण किया जाए और रिजर्व बैंक के नियंत्रण को सुदृढ़ किया जाए तभी देश इस प्रकार के घोटालों से बच सकेगा।

लेखक आर्थिक मामलों के जानकार हैं।

हर महिला की मेकअप किट में जरूर होनी चाहिए इन शेड्स की लिपस्टिक

लिपस्टिक महिलाओं को फ्रेश और अट्रैक्टिव लुक देने में मदद करती है इसलिए हर महिला के पास लिपस्टिक जरूर होती है। हालांकि, आजकल मार्केट में कई तरह के शेड्स में लिपस्टिक मौजूद हैं, इसलिए अधिकतर महिलाएं लिपस्टिक खरीदते समय इस सोच में पड़ी रहती है कि कौन सा शेड लें। अगर आप भी उन्हीं में से एक हैं तो आइए आज हम आपको कुछ ऐसे लिपस्टिक शेड्स के बारे में बताते हैं, जो हर तरह की त्वचा पर अच्छे लगेंगे।

क्लासिक रेड लिपस्टिक

लिपस्टिक के रेड शेड को सदाबहार माना जाता है क्योंकि यह हर तरह के आउटफिट के साथ बेहद ही खूबसूरत लगता है, फिर चाहें वह वेस्टर्न हो या एथनिक। अगर आपका स्किन टोन ज्यादा फेयर है तो आप बेरी रेड शेड की लिपस्टिक का चयन करें। यकीन मानिए इस तरह की टोन वाली महिलाओं पर यह रेड शेड ज्यादा सूट करेगा। वहीं, जिनकी स्किन टोन थोड़ी डार्क है उन्हें ब्रिक और रस्ट कलर वाली रेड शेड लिपस्टिक चुननी चाहिए।

ट्रेंडी न्यूड लिपस्टिक

आजकल न्यूड लिपस्टिक शेड काफी ट्रेंड में है, लेकिन अगर आप चाहती हैं कि न्यूड लिपस्टिक को लगाने से आपके होंठ या चेहरा अजीब नजर न आए तो न्यूड लिपस्टिक का चयन अपने अंडरटोन के हिसाब से करें। वहीं, अगर आप मैट न्यूड लिपस्टिक लगाने वाली हैं तो इससे पहले अपने होंठो पर क्रीमी न्यूड लिप कलर या लिप बाम लगाएं। इससे न सिर्फ होंठों को मॉइस्चराइज करने में मदद मिलेगी, बल्कि उन पर चमक भी आएगी।

फैशनिस्ट पिंक लिपस्टिक

रेड लिपस्टिक की तरह पिंक शेड लिपस्टिक भी हर तरह के आउटफिट पर जचती है। वहीं, आप पिंक शेड की लिपस्टिक का इस्तेमाल ब्लश के तौर पर भी कर सकती हैं। इसके लिए पिंक शेड की लिपस्टिक को थोड़ा सा अपने गालों पर लगाएं और बड़े मेकअप ब्रश की मदद से उसे सर्कुलर मोशन में पूरे चीक बोन्स में फैलाएं। अगर लिपस्टिक में थोड़ा सा शिमर है तो यह चीक टिंट जैसा लुक देगा।

खूबसूरत बैरी और पल्म लिपस्टिक

मेकअप किट में डार्क शेड की लिपस्टिक का होना भी जरूरी है क्योंकि इससे होंठो और चेहरे को ग्लैमरस लुक मिलता है। आप डार्क शेड की लिपस्टिक के लिए पल्म, वाइन या फिर डार्क बेरी शेड की लिपस्टिक का चयन कर सकते हैं। हालांकि, अगर आप डार्क शेड की लिपस्टिक को लिक्विड फॉर्मूले वाली खरीद रही हैं तो इसे लगाने से पहले होंठो पर लिपबाम जरूर लगाएं। इसके लिए ग्लॉसी लिपबाम नहीं बल्कि थोड़ा जेल बेस्ड लिपबाम लगाएं।

जाने, कितने घंटे बाद नहीं खाना चाहिए फ्रिज में रखा खाना

आज के समय में खाने को सड़ने या खराब होने से बचाने के लिए लोग फ्रिज में रख देते हैं हालाँकि यह सही नहीं है क्योंकि फ्रिज में रखा खाना बहुत खतरनाक हो सकता है। अब आज हम आपको बताने जा रहे हैं कितने घंटे बाद नहीं खाना चाहिए फ्रिज में रखा खाना।

चावल- फ्रिज में पके हुए चावल 2 दिन के भीतर ही खा लेने चाहिए।

पुरानी रोटी- अगर आप गेहूं की रोटी को फ्रिज में रख रहे हैं तो रोटी बनने के 12 से 14 घंटे के अंदर ही उसे खा लेना सही होता है।

दाल का सेवन- अगर खाने में दाल बच गई है और आपने उसे फ्रिज में रखा है तो उसका सेवन 2 दिन के अंदर कर लें।

छह घंटे से ज्यादा नहीं रखे पपीता- पपीता छह घंटे के अंदर ही खा लें। जी दरअसल चाकू लगने के 8 घंटे बाद तक पपीता दूषित होना शुरू हो जाता है।

सेब-4-6 हफ्ते

चेरी- 7 दिन

ब्लूबेरी, रास्पबेरी, स्ट्रॉबेरी , ब्लैकबेरी -3-6 हफ्ते

खट्टे फल-1-3 हफ्ते

अंगूर- 7 दिन

तरबूज-खरबूज- बिना कटे-2 हफ्ते, कटा हुआ- 2-4 दिन

अनानास-5-7 दिन

बीन्स-3-5 दिन

कॉर्न-1-2 दिन

खीरा-4-6 दिन, बेंगन-4-7 दिन, मशरूम-3-7 दिन

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

सुबह खाली पेट कीवी खाना सेहत लिए है बहुत लाभकारी

आज के समय में कुछ लोग फिट रहने के लिए फ्रूट्स खाना बहुत पसंद करते है विटामिन मिनरल्स और प्रोटीन से भरपूर फलों के ताजे जूस से लेकर फरुआतस सलाद तक हेल्दी डाइट प्लान का हिस्सा होता है अगर पोषक तत्वों से भरपूर कीवी सुबह खली पेट खाया जाए तो बॉडी की इम्युनिटी पावर बढ़ाने में मदद मिलती है कीवी को विटामिन ई विटामिन ए , सी बी6 का अच्छा स्त्रोत माना जाता है आज हम आपको कीवी के फायदों के बारे में बताएंगे ।

कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण के चलते लोगों का ध्यान इम्युनि मजबूत करने पर है वहीँ इम्युनिटी बढ़ाने के लिए कीवी का सेवन करना एक बहुत ही फायदेमंद उपाय है इसमें मौजूद विटामिन सी और विटामिन के जैसे तत्व इम्युनिटी पावर को बढ़ाने का काम करते है सुबह खली पेट कीवी का सेवकन करने से खांसी जुकाम सर्दी जैसे फ्लू से भी बचा जा सकता है ।

कीवी का सेवन ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने के साथ –साथ दिल की बिमारियों में भी काफी लाभकारी है खली पेट कीवी का सेवन करने से हार्ट अटैक स्ट्रोक हार्टबर्न जैसी परेशानियों का खतरा कम हो जाता है ।

फाइबर से भरपूर होने के कारण कीवी पेट से जुडी समस्याएं से छुटकारा दिलाने में मदद करता है हर रोज खली पेट कीवी का सेवन करने से पेट साफ होता है साथ ही इससे कब्ज ,एसिडिटी और गैस जैसी परेशानियों से भी छुटकारा पाया जा सकता है ।

विटामिन और मिनरल्स से भरपूर होने के कारण कुछ लोग बॉडी को तंदुरस्त बनाने के लिए भारी मात्रा में कीवी का सेवन कर लेते है ऐसा करने से बचना चाहिए कीवी में फाइबर भरपूर मात्रा में पाया जाता है अधिक मात्रा में खाने सेपेट में दर्द एलर्जी और किडनी से जुडी कई परेशानिया हो जाती है।

हथेली के निशान भी होते हैं शुभ अशुभ

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार हमारी हथेली पर ऐसे कई निशान होते हैं जो छोटी–छोटी रेखाओं के मिलने या टकराने से बनते हैं। इनमें कुछ निशान हमें शुभ फल प्रदान करते हैं, किंतु कुछ बेहद अशुभ होते हैं।

कुछ खास स्थितियों में चक्र का निशान जहां हथेली के कुछ शुभ निशानों में माने जाते हैं, वहीं कुछ ऐसे निशान भी हैं जो हर परिस्थिति में बेहद अशुभ स्थितियां लाते हैं। जानिए हाथ में बनने वाले अशुभ निशान क्रॉस के बारे में।

सूर्य ग्रह हमें समाज में यश, सम्मान और प्रतिश्ठा दिलाता है और इसी पर्वत पर अशुभ चिह्न का होना मुसीबतें खड़ी कर देता है। सूर्य पर्वत पर स्थित क्रॉस संकट को दर्शाता है। यह व्यक्ति को प्रसिद्धि, कला या धन की खोज में निराशाजनक संकेत देता है। इस पर्वत पर क्रॉस व्यक्ति की बेईमान प्रकृति को दर्शाता है। व्यक्ति अच्छे मस्तिश्क होने के बावजूद दोहरी प्रकृति का होता है। यह निशान व्यक्ति की बुद्धि को नश्ट करने का काम भी करता है। सब कुछ जानते हुए भी वह बुरे कर्म करने लगता है।

चंद्र पर्वत पर क्रॉस पद, तो व्यक्ति कल्पना से प्रभावित रहेगा। व्यक्ति सदैव सपनों की दुनिया मे रह कर खुद को धोखा देगा। जब क्रॉस शुक्र पर्वत पर स्थित हो तो कुछ संकट या प्रेम संबंध ा में कश्ट का संकेत देता है। शुक्र प्रेम संबंधों और विलासता का कारक माना गया है, इसलिए क्रॉस का अशुभ चिह्न जीवन के इन्हीं दो बड़े क्षेत्रों पर आक्रमण करता है।

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार हथेली पर बना क्रॉस का निशान मुसीबत, निराशा, खतरा और कभी–कभी जीवन में संकट का संकेत देता है। क्रॉस के लक्षण विभिन्न पर्वतों और रेखाओं की स्थिति पर निर्भर करते हैं।

यह व्यक्ति में शत्रु और चोटों के कारण संकट को दर्शाता है। यह संघर्श, झगड़े और हिंसा द्वारा मृत्यु का भी संकेत देता है। ऐसे व्यक्ति का अगर किसी के साथ झगड़ा हो, तो वह अमूमन उग्र रूप ले लेता है।

शब्द सामर्थ्य -

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छौंक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, वक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे

1. विचित्र, अद्भूत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

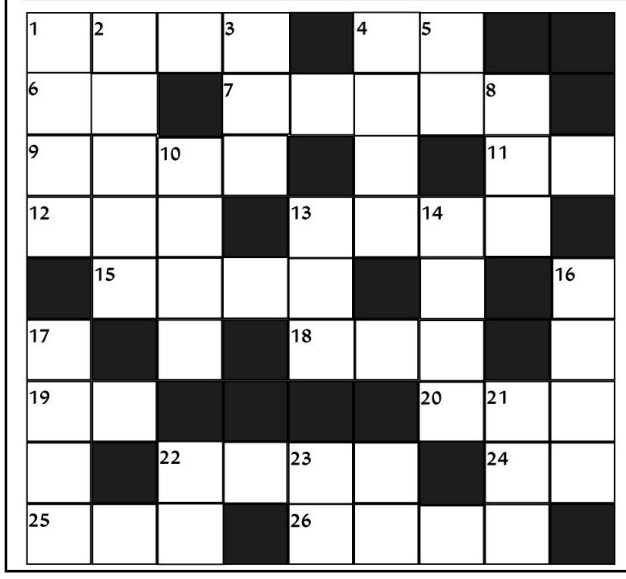

दि	क्क	त	■	आ	सा	न	■	आ
ल	■	मी	■	खि	■	सी	ख	ना
■	म	ज	बू	र	■	ह	■	जा
स	र्द	■	■	का	■	त	रा	ना
र	■	■	■	र	वि	■	ह	■
प	ह	ना	ना	■	ना	रा	ज	■
ट	■	■	क	शि	श	■	नी	ला
■	र	■	■	का	■	रा	■	य
खा	ति	र	दा	री	■	त	क्ष	क

धोने के बाद भी सिर में होती है खुजली? जानिए इसके कारण

आमतौर पर सिर की खुजली का मुख्य कारण डैंड्रफयानि रूसी को माना जाता है, लेकिन कई बार इसके पीछे अन्य कारण भी होते हैं। अगर शैंपू करने के बाद भी आपके सिर में खुजली होती रहती है तो आपके लिए इसके पीछे का कारण जानना जरूरी है ताकि उसके मुताबिक इसका उपचार किया जा सके। आइए आज आपको ऐसे मुख्य कारणों के बारे में बताते हैं जो सिर में लगातार खुजली उत्पन्न कर सकते हैं।

एलर्जिक रिएक्शन

लगातार सिर में खुजली उत्पन्न का सबसे मुख्य कारण एलर्जिक रिएक्शन हो सकता है जो हेयर डाई, ऑयल प्रोडक्ट्स या फिर गलत शैंपू का इस्तेमाल करने आदि से हो सकता है। इसलिए किसी भी तरह के हेयर केयर प्रोडक्ट का इस्तेमाल करते समय इस बात का ध्यान रखें कि वह स्कैल्प को स्वस्थ रखने योग्य है या नहीं। वहीं अपने सिर में ऐसे हेयर केयर प्रोडक्ट्स लगाएं जो केमिकल फ्री हों यानि प्राकृतिक सामग्रियों से बनाए गए हों।

गंदगी और पसीना

पसीना सिर्फशरीर से ही नहीं बल्कि बालों से भी निकलता है। यह धूल-मिट्टी को काफी जल्दी आकर्षित करता है और इसके कारण गंदा हुआ सिर खुजली की समस्या को न्यौता देता है। इसलिए समय-समय पर अपने बालों को धोना बहुत जरूरी है। इसके अलावा सिर में पसीना न आए, इसके लिए कुछ तरीके भी आजमाएं। उदाहरण के लिए, अधिक तेज धूप में जाने से बचें और ह्यूमिडिटी वाले स्थान पर अपने बालों को टाइट बांधकर न रखें।

ड्राई स्कैल्प

शैंपू का अधिक इस्तेमाल या फिर ठंडी जगह पर ज्यादा देर तक रहने के कारण ड्राई स्कैल्प की समस्या हो सकती है जो सिर में खुजली उत्पन्न करती है। अगर आप इन समस्याओं से बचना चाहते हैं तो ठंडी जगहों पर अपने सिर को ढककर रखें। इसके अलावा सल्फेट फ्री शैंपू का इस्तेमाल करें क्योंकि यह आपके स्कैल्प से नेचुरल ऑयल को खत्म नहीं होने देगा। इसी के साथ हफ्ते में सिर्फदो ही बार अपने सिर को धोएं।

स्टाइलिंग टूल्स का अधिक इस्तेमाल

बेशक स्टाइलिंग टूल्स की मदद से बालों को खूबसूरत बनाया जा सकता है, लेकिन इनका अधिक इस्तेमाल सिर की खुजली का कारण बन सकता है। दरअसल, स्टाइलिंग टूल्स का सिर पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है जिसकी वजह से खुजली होने लगती है। उदाहरण के लिए, बालों में एक्सटेंशन को टाइट लगाना स्कैल्प में तनाव पैदा करता है जिसकी वजह से खुजली की समस्या होने लगती है।

हेयर रिमूवल क्रीम के इस्तेमाल से त्वचा को हो सकता है नुकसान, जानिये कैसे

आमतौर पर लोग अनचाहे बालों से छुटकारा पाने के लिए वैक्सिंग या फिर हेयर रिमूवल क्रीम का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन जहां बात अनचाहे बालों को हटाने के लिए दर्द रहित और आसान तरीके की हो तो इसके लिए हेयर रिमूवल क्रीम बेहतर मानी जाती है। हालांकि, शायद आप ये नहीं जानते हैं कि हेयर रिमूवल क्रीम आपको अनचाहे बालों से छुटकारा तो दिलाती है, लेकिन साथ में त्वचा को नुकसान भी पहुंचा सकती है। चलिए फिर जानते हैं कैसे।

जलन और कालेपन का सामना करना

अगर आप अनचाहे बालों से छुटकारा पाने के लिए हेयर रिमूवल क्रीम का इस्तेमाल करते हैं तो यह आपके शरीर के बालों पर एक रसायनिक असर छोड़ती है, जिससे बाल आसानी से साफहो जाते हैं। हालांकि, हेयर रिमूवल क्रीम में मौजूद कैल्शियम हाइड्रॉक्साइड और पोटेशियम हाइड्रॉक्साइड जैसे रसायन आपकी त्वचा में जलन और त्वचा को काला कर देते हैं। अगर आपकी त्वचा संवेदनशील है तो आपकी त्वचा पर इन रसायनों का बुरा असर लंबे समय तक रह सकता है।

स्किन एलर्जी का बनती है कारण

आजकल मार्केट में कई तरह की हेयर रिमूवल क्रीम उपलब्ध है, जिस वजह से सही हेयर रिमूवल क्रीम का चयन करना मुश्किल हो जाता है और लोग किसी भी हेयर रिमूवल का चयन कर लेते हैं, जो कि एक बड़ी गलती हो सकती है। दरअसल, कई हेयर रिमूवल क्रीम ऐसे रसायनों से युक्त होती हैं, जो स्किन एलर्जी का कारण बन सकते हैं। इसलिए बेहतर होगा कि आप सोच-समझकर किसी हेयर रिमूवल का इस्तेमाल करें।

त्वचा का पीएच स्तर भी होता है प्रभावित

अगर आपकी त्वचा का पीएच स्तर थोड़ा सा भी अम्लीय है तो भूल से भी हेयर रिमूवल क्रीम का इस्तेमाल न करें। दरअसल, इससे आपकी त्वचा का पीएच स्तर नकारात्मक रूप से प्रभावित हो सकता है और इस वजह से आपको कई तरह की त्वचा संबंधी समस्याओ? का सामना करना पड़ सकता है। संवेदनशील त्वचा वाले लोगों को इस बात का अधिक ध्यान रखना चाहिए क्योंकि ऐसी चीजों के इस्तेमाल से उनकी त्वचा पर अधिक बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

त्वचा में आता है रूखापन

अगर आप अधिक हेयर रिमूवल क्रीम का इस्तेमाल करते हैं तो इससे त्वचा की प्राकृतिक नमी खत्म हो जाती है, जिसके कारण आपकी त्वचा रूखी हो सकती है। इसके अलावा, हेयर रिमूवल के अधिक इस्तेमाल से त्वचा पर दाने हो सकते हैं।

कथक सीख रही है शरवरी वाघ

बॉलीवुड अभिनेत्री शरवरी वाघ ने फिल्म बंटी और बबली 2 से बॉलीवुड में डेब्यू कर चुके है। अब एक्ट्रेस बहुत जल्द आमिर खान के बेटे जुनैद की फिल्म महाराजा में दिखाई देने वाली है। इन दिनों अभिनेत्री कथक नृत्य की ट्रेनिंग लेने में बिजी है। शरवरी माधुरी दीक्षित को अपना प्रेरणास्त्रोत मानती है। अभिनेत्री का बोलना है कि उनके साथ नृत्य करने का अवसर मिलना ही अब मेरा सबसे बड़ा सपना है।

शरवरी ने इस बारें में बोला है कि मैं हमेशा से माधुरी दीक्षित से प्रभावित हुई हूँ, वह हमेशा मेरे लिए एक बड़ी प्रेरणास्त्रोत भी रह चुकी है। मैं हमेशा से कथक सीखना चाह रही थी। इतने सालों से दिल में कथक सीखने की चाहत के उपरांत आखिरकार मैंने कथक सीखना भी शुरू कर दिया है। जब भी मैं उनके गाने या इंस्टाग्राम पर स्निपेट्स या डांस शो देखती तो मैं कथक सीखने के लिए गूगल पर कथक टीचर्स की तलाश करने लग जाती हूँ। वह मेरी आदर्श रही हैं और आशा करती हूं कि किसी न किसी दिन मुझे उनके साथ नाचने का अवसर मिलेगा और यह मेरे लिए बड़े सम्मान की बात होने वाली है।

अपनी बात को जारी रखते हुए शरवरी ने कहा- मुझे लगता है कि एक कलाकार के तौर पर आप इतनी अलग-अलग भूमिकाएं निभाते रहते हैं कि आपको पता ही नहीं चलता कि क्या आपके काम आ सकता है। लेकिन, एक अलग नृत्य शैली को सीखना हमेशा आपके हाथ में होने वाला है। नृत्य सीखने से शरीर में एक आभा और एक लय दोनों आते हैं। मेरे लिए कथक सही मायने में माधुरी दीक्षित के प्रति मेरे प्यार से उपजा है। मैं कथक अच्छे से सीखना चाहती हूं क्योंकि कहीं न कहीं मैंने उन्हें बहुत खूबसूरती से परफॉर्म करते हुए देख चुकीं हूँ। यह कुछ ऐसा है जो मैं सिर्फ इसलिए करने की कोशिश कर रही हूं क्योंकि मैं उनसे बेहद प्रभावित हूं।

सुभान नाडियाडवाला सई मांजरेकर को कर रहे हैं डेट

बॉलीवुड प्यार के किस्सों से गुलजार रहता है। यहां रिश्ते बनते-बिगड़ते रहते हैं और कइयों को प्यार में मंजिल भी मिलती है। इंडस्ट्री में प्यार करने वाले जोड़ियों की कमी नहीं है। अब इस फेहरिस्त में एक और कपल जुड़ गया है। खबर है कि साजिद नाडियाडवाला के बेटे सुभान नाडियाडवाला महेश मांजरेकर की बेटी सई मांजरेकर को डेट कर रहे हैं। सुभान और सई दोनों ही सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, सुभान और सई के बीच प्रेम की खिचड़ी पक रही है। कहा जाता है कि सुभान और सई की मुलाकात सलमान के जरिए हुई। इसके बाद दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं। ये दोनों शुरुआत में अच्छे दोस्त बने। दोस्ती का रिश्ता धीरे-धीरे प्यार में तब्दील हो गया और दोनों ने डेटिंग शुरू कर दी। रिपोर्ट की मानें तो दोनों अपने रिलेशनशिप को लेकर काफी गंभीर हैं। हालांकि, दोनों ने कभी खुल्लम-खुला प्यार का इजहार नहीं किया है।

सुभान और सई के परिवार वाले उनके रिलेशनशिप के बारे में जानते हैं। सई और सुभान को अक्सर वीकेंड पर एक-दूसरे के घर जाते हुए देखा जाता है। उनके बीच अच्छी बॉन्डिंग दिखती है।

सूत्रों ने सई से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन अभिनेत्री ने अभी तक इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। उम्मीद है कि बॉलीवुड की अन्य जोड़ियों की तरह यह कपल भी अपना रिश्ता सार्वजनिक कर देगा।

सई को सलमान ने ही लॉन्च किया था। उन्होंने 2019 में सलमान की फिल्म दबंग 3 से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। वह शहीद संदीप उन्नीकृष्णन के जीवन पर आधारित फिल्म मेजर में अभिनय करती नजर आएंगी। फिल्म की कहानी सच्ची घटना पर आधारित है। यह फिल्म मई में दर्शकों के बीच आएगी। इसमें अभिनेता अदिवी शेष मेजर संदीप का किरदार निभा रहे हैं। सई आने वाली तेलुगु फिल्म घनी में भी अपने अभिनय का मुजायरा करेंगी।

सुभान के पिता साजिद एक प्रसिद्ध भारतीय फिल्म निर्माता और निर्देशक है। वह नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के मालिक भी हैं। सुभान भी अपने पिता के लक्ष्य कदम पर चलते हुए निर्देशन में कदम रखना चाहते हैं। सई दिखने में काफी हॉट और ग्लैमर्स हैं। वह इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। स्टार किड होने के नाते सुभान की भी सोशल मीडिया पर अच्छी-खासी फैन फॉलोइंग है। दोनों की जोड़ी एक साथ खूब जमेगी।

नवाजुद्दीन और विशाल भारद्वाज ने रोमांटिक फिल्म के लिए मिलाया हाथ

अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी को बड़े पर्दे पर बेहद पसंद किया जाता है। उन्होंने काफी संघर्ष के बाद बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाई है। मौजूदा दौर में कई बड़े प्रोजेक्ट उनके खाते में हैं। अब एक और फिल्म का नाम उनके साथ जुड़ गया है। खबर सामने आ रही है कि उन्होंने महान निर्देशक विशाल भारद्वाज के साथ हाथ मिलाया है। वह विशाल की रोमांटिक फिल्म में अपने अभिनय का जौहर दिखाएंगे।

रिपोर्ट के अनुसार, एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म के लिए नवाजुद्दीन और विशाल साथ आए हैं। एक सूत्र ने बताया, विशाल ने हाल ही में नवाजुद्दीन को कहानी सुनाई और उन्हें यह पसंद आई। फिल्म का शीर्षक अभी तय नहीं किया गया है। विशाल इस प्रोजेक्ट को बना रहे हैं और वह फिल्म के लिए एक बहुत ही अनूठा शीर्षक लेकर आएंगे। फीमेल लीड कलाकार को कास्ट किया जाना बाकी है।

सूत्र ने बताया कि विशाल के दिमाग में कुछ फीमेल कलाकारों का नाम है। कोरोना वायरस की महामारी में अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है। अगर सब कुछ योजना के अनुसार होता है, तो फिल्म की शूटिंग साल के अंत तक शुरू हो सकती है। खबरों की मानें तो कुछ साल पहले नवाजुद्दीन और विशाल ने एक प्रोजेक्ट पर काम करने का मन बनाया था। हालांकि, उस प्रोजेक्ट पर बात आगे नहीं बन पाई थी।

विशाल ने ओमकारा, इश्किया, कमीने और माचिस जैसी यादगार फिल्मों का निर्देशन किया है। वह आगामी फिल्म खूफिया का निर्देशन कर रहे हैं, जिसमें अली फजल और तब्बू मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। वह अपने बेटे आकाश भारद्वाज के निर्देशन में बनी पहली फिल्म कुत्ते का भी निर्माण कर रहे हैं। इस फिल्म में अर्जुन कपूर, तनु, नसीरुद्दीन शाह, कोंकणा सेन शर्मा, कुमुद मिश्रा और राधिका मदान जैसे कलाकार नजर आएंगे।

अभिनेता नवाजुद्दीन इस साल कई फिल्मों में नजर आने वाले हैं। हाल ही में नवाजुद्दीन की फिल्म नूरानी चेहरा का ऐलान हुआ है। वह नो लैंड्स मैन, अद्भुत और टीकू वेड्स शेरू जैसी फिल्मों में दिखेंगे। इसके अलावा वह कुशन नंदी की फिल्म जोगिरा सा रा रा में दिखाई देंगे। इरुल की हिन्दी रीमेक में भी वह नजर आ सकते हैं। हीरोपंती 2 से भी नवाजुद्दीन का नाम जुड़ा हुआ है। इसमें टाइगर श्रॉफ मुख्य भूमिका में हैं। नवाजुद्दीन को हाल में सिनेमा में अपने अहम योगदान के लिए दुबई में एक्सीलेंस इन सिनेमा अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। उन्हें नेटफ्लिक्स की फिल्म सीरियस मेन में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए एमी अवॉर्ड्स में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए नामित किया गया था।

गतिशक्ति के माध्यम से भारत के विकास में तेजी लाने के लिए विश्वस्तरीय प्रतिभाओं का निर्माण

एम.के. तिवारी

पीएम गतिशक्ति कार्यक्रम एक महत्वाकांक्षी, लेकिन उपयुक्त समय पर शुरू की गयी योजना है, जिसका उद्देश्य भारत में 16 विभिन्न मंत्रालयों में निर्णय लेने और कार्य पूरा करने से जुड़े तालमेल को बेहतर बनाना है, ताकि राष्ट्र को विश्वस्तरीय मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी पर आधारित अवसंरचना उपलब्ध करायी जा सके। गतिशक्ति योजना का उद्देश्य विश्वस्तरीय आधुनिक अवसंरचना का निर्माण करना और इसकी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना है। इसके लिए लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में कौशल-प्राप्त मानव संसाधन द्वारा समर्थन दिए जाने की आवश्यकता होगी, ताकि इससे नीति-निर्माण को और प्रभावी बनाया जा सके एवं काम पूरा करने की तेज गति और श्रम उत्पादकता का उच्च स्तर प्राप्त किया जा सके। पिछले कुछ वर्षों में कौशल निर्माण के अवसरों का पता लगाया गया है और इस दिशा में पहल की गई है। उदाहरण के लिए, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के तहत स्थापित लॉजिस्टिक्स कौशल परिषद्, जिसका उद्देश्य लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के लिए कर्मियों को कौशल प्रदान करना है, ने 11 उप-क्षेत्रों की पहचान की है, जहां लोग भंडारण, परिवहन और कूरियर सेवाओं से लेकर एयर कार्गो रख-रखाव, ई-कॉमर्स, आयात-निर्यात, कोल्ड चेन लॉजिस्टिक्स, रेल लॉजिस्टिक्स आदि क्षेत्रों के क्षमता-निर्माण कार्यक्रमों से लाभान्वित हो सकते हैं।

लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में कौशल निर्माण के लिए चार प्रमुख क्षेत्र हैं, जो पीएम गतिशक्ति कार्यक्रम के विजन को पूरा करने में सहायक हो सकते हैं।

सबसे पहले, उद्योग क्षेत्र का ज्ञान होना महत्वपूर्ण है, ताकि इसकी लॉजिस्टिक्स और आपूर्ति श्रृंखला गतिविधियों की जरूरतों को समझा जा सके। गतिशक्ति कार्यक्रम का उद्देश्य टेक्सटाइल क्लस्टर, फार्मा क्लस्टर, रक्षा गलियारों, इलेक्ट्रॉनिक पार्कों, औद्योगिक गलियारों, मछली पकड़ने के प्रमुख स्थानों और कृषि क्षेत्रों के लिए कनेक्टिविटी की जरूरतों को पूरा करना है। जब लॉजिस्टिक्स, भंडारण, परिवहन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन से जुड़ी आवश्यकताओं की बात आती है, तो प्रत्येक उद्योग की ज़रूरतें अलग-अलग होती हैं। उदाहरण के लिए, कपड़ा निर्यात में कंटेनर-युक्त कार्गो का अधिक उपयोग होता है, जबकि स्टील उत्पादों और भारी मशीनरी निर्यात के लिए बल्क कार्गो का उपयोग होता है। तदनुसार, चुने जाने वाले परिवहन के तरीके अलग-अलग होंगे, इसलिए प्रक्रियाएं अलग-अलग होंगी और लागत भी अलग-अलग होगी। इस प्रकार, कौशल दृष्टिकोण से, लॉजिस्टिक्स कर्मियों को क्षेत्र के अनुसार विभिन्न प्रक्रियाओं, प्रौद्योगिकियों और हितधारकों के अनुरूप कार्य पूरे करने होंगे। व्यापार और प्रक्रिया ज्ञान, जो व्यापार तथा माल की आवाजाही की समझ के साथ प्राप्त होता है, उन कर्मचारियों के लिए भी महत्वपूर्ण है, जो एक क्षेत्र में या विभिन्न क्षेत्रों के लिए काम करते हैं।

दूसरी बात यह है कि उप-क्षेत्रों में लॉजिस्टिक्स कर्मियों के बीच डिजिटल साक्षरता विकसित करने और प्रौद्योगिकी को अपनाने की अत्यधिक आवश्यकता है, क्योंकि देश तेजी से ऑनलाइन (प्लेटफॉर्म) अर्थव्यवस्था की ओर आगे बढ़ रहा है। जानकारी प्राप्त करने और तय करने (ट्रैक एंड ट्रेस) से जुड़ी क्षमताएं, आपूर्ति श्रृंखला के विभिन्न स्तरों के लिए ग्राहकों की सर्वव्यापी आवश्यकता बन गई है। विभिन्न सूचना प्रणालियों में उपलब्ध जानकारी प्राप्त करने और फिर मौजूद सूची, स्थान, उपयोग की अवधि/पर्यावरण की स्थिति, कार्य आदेश/बिलिंग की स्थिति इत्यादि के विवरण की व्याख्या करके; योजना तैयार करने और इसे अंतिम रूप देने से संबंधित रणनीतिक निर्णय लेने की आवश्यकता है। अक्सर, उपयोगकर्ता तक वस्तु/सेवा देने और कैब सेवाओं के लिए, ऐसे डेटा का उपयोग कर्मियों को प्रशिक्षित करने और वांछित सेवा परिणामों को प्रोत्साहित करने के लिए भी किया जा सकता है। इसके अलावा, नए युग की प्रौद्योगिकियों जैसे कंट्रोल टावर्स और ब्लॉकचेन के विकास के साथ, निर्णय लेने की प्रक्रिया अधिक स्वचालन-आधारित हो सकती है। इस प्रकार तकनीक-संचालित उपकरणों को तेजी से अपनाने के जरिये, व्यवसायों में संभावित कर्मचारियों और भागीदारों को शामिल करने में मदद मिल सकती है।

तीसरा, आपूर्ति श्रृंखला और लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों में तकनीकी और प्रबंधन पेशेवरों के लिए डेटा-संचालित विश्लेषण करना और निर्णय लेना आवश्यक है। लॉजिस्टिक्स निर्णय; जैसे सुविधाओं की उपलब्धता के स्थान, बिक्री योजना, मानव-संसाधन से जुड़ी योजना और वाहनों के मार्ग तय करना आदि को निर्णय लेने से सम्बंधित प्रमुख समस्याएं के रूप में देखा जा सकता है। इनके लिए बड़ी मात्रा में उपलब्ध डेटा को छोटे पैमाने पर लाने तथा पूर्वानुमान और परिदृश्य योजना के संयोजन में इष्टतम करने वाली उपयुक्त तकनीकों को लागू करने की आवश्यकता होती है, जो एआई/एमएल द्वारा संचालित होती हैं। डेटा विज्ञान के साथ व्यावसायिक प्रक्रियाओं का ज्ञान एक मजबूत परिसंपत्ति है, जिसे त्वरित तरीके से तैयार किये जाने की आवश्यकता है। यह योजना क्षमताओं में वैज्ञानिक आधार पर उत्कृष्टता विकसित करने में मदद कर सकती है।

अंत में, सुव्यवस्थित और निर्बाध कार्गो आवाजाही के लिए सूचना साझा करना और मजबूत साझेदारी; आपूर्ति-श्रृंखलाओं के सन्दर्भ में महत्वपूर्ण हैं। प्रसिद्ध बुलव्हिप इफेक्ट, जो गलत सूचनाओं और आपूर्ति श्रृंखलाओं के दोषयुक्त समन्वय का परिणाम होता है, एक स्थिर बाजार में प्रणाली से पैदा हुई विफलताओं का एक और साक्ष्य है। भारत में विभिन्न कार्गो मार्गों पर हाल ही में किए गए अध्ययन में, नेशनल काउंसिल फॉर एडवांस्ड इकोनॉमिक रिसर्च ने पाया है कि किफायती कार्गो परिवहन के लिए 3 पीएल और 4 पीएल जैसे एकीकृत सेवा प्रदाता, परिवहन के केवल एक प्रकार से जुड़ी कंपनियों की तुलना में अधिक सक्षम हैं। इस प्रकार, लॉजिस्टिक्स और आपूर्ति श्रृंखला कर्मियों को प्रभावी संचार के सन्दर्भ में प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है, जिनमें एक आपूर्ति श्रृंखला के भीतर हितधारकों के लिए सटीक, स्पष्ट और समय पर जानकारी देने और अन्य मूल्य श्रृंखलाओं में प्रभावी भागीदारी बनाने के लिए अंतिम निर्णय संबंधी बातचीत और हितधारक प्रबंधन कौशल शामिल हैं। गतिशक्ति कार्यक्रम एक एकीकृत लॉजिस्टिक्स अवसंरचना पोर्टल (यूलिप) विकसित करने पर भी विचार कर रहा है, जो डेटा साझा करने तथा सूचना प्रसार के लिए, विभिन्न मंत्रालयों और हितधारकों को एक साझा प्लेटफार्म के साथ जोड़ता है, ताकि अलग-थलग रहकर निर्णय लेने की प्रक्रिया को कम किया जा सके।

लॉजिस्टिक्स क्षेत्र श्रम क्षमताओं में निम्न मानकीकरण से संबंधित मुद्दों के लिए भी जाना जाता है। इसका कारण है- औपचारिक प्रशिक्षण का अभाव और सामाजिक कल्याण की खराब स्थिति। हालांकि, प्रशिक्षण से वैकल्पिक कौशल का निर्माण किया जा सकता है, फिर भी विभिन्न साधनों के जरिये सामाजिक कल्याण से संबंधित मुद्दों के समाधान किये जाने की आवश्यकता है। इसलिए, यह सुनिश्चित करना अत्यधिक महत्वपूर्ण है कि एक निश्चित क्षेत्र के भीतर कौशल, रोजगार के असमान अवसर पैदा नहीं करता है और इसके परिणामस्वरूप एक उप-उत्पाद के रूप में उच्च बेरोजगारी देखने को मिलती है। त्वरित गति से बड़े पैमाने पर कौशल विकास करने को ध्यान में रखते हुए; उद्योग जगत, शिक्षा जगत और सरकार को क्षमता निर्माण कार्यक्रमों और पहलों के लिए सहयोगात्मक रूप से उपाय सुझाने की आवश्यकता है। तकनीकी और प्रबंधकीय पदों के लिए, उच्च शिक्षण संस्थानों को ज्यादा संख्या में व्यवसाय विश्लेषण, आईटी, प्रौद्योगिकी, संचालन, आपूर्ति श्रृंखला और लॉजिस्टिक्स प्रबंधन में स्नातकोत्तर तथा डॉक्टरेट की डिग्री के साथ योग्य उम्मीदवारों को तैयार करने की आवश्यकता होगी।

सू- दोकू क्र.

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.57 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

जानलेवा सड़कें

भारत की सड़कों पर दुर्घटनाओं में प्रतिदिन सैकड़ों लोगों की मौत गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। यह भी चिंता की बात है कि हरियाणा में पिछले साल प्रतिदिन औसतन 13 लोगों की सड़क हादसों में मौत हुई। दुर्घटना उन्मुख क्षेत्रों पर केंद्र सरकार के ध्यान देने के बावजूद स्थिति गंभीर बनी हुई है। पिछले दिनों लोकसभा में केंद्र सरकार ने बताया कि वर्ष 2020 के दौरान एक्सप्रेस-वे सहित राष्ट्रीय राजमार्गों पर दुर्घटनाओं में 47,984 लोग मारे गये। वहीं वर्ष 2019 में यह आंकड़ा 53,872 था। महामारी के पहले वर्ष में कोविड के चलते लॉकडाउन और कई अन्य तरह की वजह से आवाजाही में रोक के चलते मौत के आंकड़ों में गिरावट दर्ज की गई। इसके बावजूद एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, 2020 में सभी प्रकार की सड़क दुर्घटनाओं में 1.33 लाख लोग मारे गये। ये आंकड़े स्थिति की गंभीरता दर्शाते हैं। वहीं वर्ष 2021 में वेस्टर्न और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे पर 151 दुर्घटनाओं में 125 लोगों की जान चली गई और 105 लोग घायल हुए। वहीं कुंडली मानेसर पलवल यानी केएमपी और कुंडली गाजियाबाद पलवल एक्सप्रेस-वे पर अधिकांश दुर्घटनाओं की मुख्य वजह गलत साइड से ओवरटेकिंग रही। साथ ही ओवर स्पीडिंग, अचानक लेन बदलना, अनुपयुक्त प्रकाश व्यवस्था आदि भी दुर्घटना की वजह रही हैं। ऐसे में भारी वाहन चालकों के लिये जागरूकता अभियान चलाये जाने की जरूरत है, जिनकी वजह से बड़ी दुर्घटनाएं होती हैं।

यदि हम राष्ट्रीय राजमार्गों पर हादसों के कारणों की पड़ताल करते हैं तो कई कारण सामने आते हैं, जिनमें प्रमुख वजह वाहनों को तेज गति से चलाना है। इसके अलावा नशे में धुत्त होकर गाड़ी चलाना, गलत तरफ से ड्राइविंग, सड़कों का डिजाइन व स्थिति तथा वाहन चलाते समय समय मोबाइल पर बात करते रहना भी वजह रही। यदि वर्ष 2020 में होने वाली दुर्घटनाओं पर नजर डालें तो साठ फीसदी लोगों की मौत तेज रफ्तार की वजह से हुई। निस्संदेह सड़क दुर्घटनाओं को रोकने तथा आपराधिक लापरवाही करने वाले चालकों को दंडित करने के लिये बड़े पैमाने पर आधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जाना चाहिए। राजमार्गों पर बड़ी संख्या में क्लोज सर्किट टीवी यानी सीसीटीवी कैमरे लगाने से चालक कानून के उल्लंघन के प्रति सतर्क रहेंगे। यदि तुरंत चालान मिलने लगेंगे तो लोग कायदे-कानूनों के उल्लंघन के प्रति सजग रहेंगे। वर्ष 2020 में लापरवाह ड्राइविंग तथा ओवरटेकिंग की वजह से 24 फीसदी दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें पैंतीस हजार लोगों की जान गई। ऐसे स्थिति में जब देश में राष्ट्रीय व राज्य मार्गों की कुल लंबाई पूरे सड़क नेटवर्क का सिर्फ पांच से दस प्रतिशत ही है, इनमें दुर्घटनाओं का अनुपात बेहद ज्यादा है।

'लवली मसाज पार्लर' में अनुपमा प्रकाश ने बोल्ड सीन देने काफी मेहनत की

कुछ वेब सीरीज ऐसी हैं जिनके नाम से लगता है कि बोल्ड सीन के साथ छेड़छाड़ की गई होगी. ऐसा ही कुछ 'लवली मसाज पार्लर' वेब सीरीज के साथ भी हुआ। इस वेब सीरीज में कई एक्ट्रेसेस ने हॉट सीन दिए हैं। जिसमें अनुपमा प्रकाश का नाम भी शामिल है। अनुपमा प्रकाश ने कई फिल्मों में काम किया है। लेकिन इस वेब सीरीज के सबसे बोल्ड सीन देकर चर्चा की गई।

एक्ट्रेस अनुपमा प्रकाश भी एक मॉडल हैं। उन्होंने सिर्फ बॉलीवुड ही नहीं बल्कि साउथ की फिल्मों में भी काम किया है। अनुपमा को पहली बार फिल्म 'रिस्कनामा' में देखा गया था। इसके अलावा इसे कई वेब सीरीज में भी देखा गया था। जिसमें 'कस्टम रिवाज' को शामिल किया गया है।

इसके अलावा अनुपमा प्रकाश वेब सीरीज 'लवली मसाज पार्लर' में भी नजर आई थीं। इसमें एक्ट्रेस ने ऐसे बोल्ड सीन दिए कि लोगों की आंखें खुली रह गईं. इस वेब सीरीज में अनुपमा प्रकाश ने फुल बेड सीन दिया था। सोशल मीडिया पर भी इस सीन की खूब चर्चा हुई। अनुपमा प्रकाश पर्दे पर न सिर्फ बोल्ड हैं बल्कि असल जिंदगी में भी हॉट हैं। उनका सोशल मीडिया बोल्ड तस्वीरों से भरा पड़ा है.

लखपेड़ा बाग, बाराबंकी निवासी एमबीए डिग्री प्राप्त राशिद अज़ीज़ सिद्दीकी ने अपने पैतृक गाँव नंदैडीह, ब्लॉक जमुनहाँ, ज़िला श्रावस्ती में अपने बड़े भाई इँ. आसिफ़ अज़ीज़ सिद्दीकी के मर्गदर्शन में आधुनिक तकनीक से ज़रबेरा फूल और रंगीन फूल गोभी की खेती कर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

दो नाबालिक बालक राजस्थान से बरामद

देहरादून (संवाददाता)। परीक्षा के डर से घर से भागे दो नाबालिग राजस्थान से सकुशल बरामद कर उनको परिजनों के हवाले कर दिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 3 मार्च को नेहरू मार्ग ऋषिकेश व्यक्ति के द्वारा कोतवाली पर एक लिखित तहरीर दी गई कि मेरा पोता आयुश (काल्पनिक नाम) निवासी नेहरू मार्ग ऋषिकेश उम्र लगभग १७ वर्ष आज लगभग बारह बजे अपने दोस्त रमन (काल्पनिक नाम) निवासी नेहरू मार्ग ऋषिकेश उम्र १७ वर्ष के साथ बिना बताए कहीं घर से चले गए हैं हमने दोनों की काफी तलाश की है लेकिन कोई पता नहीं चल पाया है। अत: निवेदन है कि उपरोक्त की गुमशुदगी दर्ज करने की कृपया करें। प्राप्त लिखित तहरीर के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए कोतवाली पर मुकदमा दर्ज किया गया तथा टीम गठित कर दोनों नाबालिगों की तलाश जारी की गई। गठित टीम के द्वारा उचित माध्यम से प्रचार प्रसार करते हुए सीसीटीवी फुटेज, सर्विलांस एवं पतारसी सुरागरसी करते हुए दोनों नाबालिग बालकों को तलाश किया गया तो ज्ञात हुआ कि दोनों नाबालिक बालक राजस्थान पहुंच गए हैं। जिसके पश्चात दोनों नाबालिग बालकों के परिजनों को साथ लेकर दोनों को राजस्थान से सकुशल बरामद किया गया। पूछताछ करने पर ज्ञात हुआ कि दोनों परीक्षा के डर से योजना बनाकर बिना बताए होटल में काम करने के लिए राजस्थान चले गए थे। दोनों को परिजनों को सौंप दिया गया।

शिव मंदिर भण्डारे में गणेश जोशी ने प्रसाद ग्रहण किया

देहरादून (संवाददाता)। डांडा लखौण्ड स्थित शिव मन्दिर में आयोजित भण्डारे में कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने प्रसाद ग्रहण किया। आज यहां कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी द्वारा सहत्रधारा रोड़ स्थित ड़ाडा लखौण्ड के प्राचीन शिव मंदिर में आयोजित होने वाले वार्शिकोत्सव भण्डारा एवं पूजन में प्रतिभाग किया। गणेश जोशी ने कहा कि भगवान रूद्र देवों के देव हैं। भगवान शिव से राज्य वासियों के कल्याण एवं सम्पन्नता की कामना की। इस अवसर पर अनुज कौशल, अनिल प्रकाश कौशल, अरविंद तोपवाल, मनोज गोदियाल, प्रेम पाठक, कैलाश पंत, धीरेन्द्र खत्री, विनय चंदोला, मुकेश खत्री आदि उपस्थित रहे।

मतगणना की अब तैयारी अब की बारी.. ▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

कर लिया जाय। तथा मतगणना स्थल पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की जाए। किसी को भी नियमों का उल्लंघन करने की इजाजत नहीं होगी।

मतगणना की तैयारियों को लेकर कल (सोमवार) को भाजपा द्वारा अपने पदाधिकारियों की बैठक बुलाई गई है जिसमें पार्टी प्रत्याशियों को भी बुलाया गया है। वहीं संगठन के पदाधिकारियों व जिलाध्यक्षों को भी बुलाया गया है। बैठक में भाजपा के सांसद भी मौजूद रहेंगे। इस बैठक में पदाधिकारियों को मतगणना के दौरान उनकी जिम्मेवारी क्या होगी यह तय किया जाएगा।

उधर कांग्रेस द्वारा भी कल प्रदेश मुख्यालय में संगठन के पदाधिकारियों व प्रत्याशियों की बैठक होने जा रही है जिसमें मतगणना पर नजर रखने की रणनीति पर विचार किया जाएगा तथा पदाधिकारियों को जिम्मेवारी सौंपी जाएगी। इस बैठक में हरीश रावत सहित सभी बड़े नेता भाग लेने जा रहे हैं। भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दलों द्वारा अपनी-अपनी सरकार बनने के दावे किए जा रहे हैं। 10 मार्च की मतगणना अब यह तय करेगी कि राज्य में अब की बारी किसकी बारी होगी जो सरकार बनाएगी।

विद्युत कीमतें घटाने के उपायों पर ध्यान दें नियामक आयोगः मोर्चा

विशेष संवाददाता

विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि विद्युत नियामक आयोग प्रतिवर्ष विद्युत दरों, लाइन लॉसेस एवं अन्य मामलों को लेकर जनसुनवाई की रस्म अदायगी करता है, लेकिन विद्युत दरें व फिक्स्ड चार्जेस घटाने एवं वितरण हानियों को कम करने के मामले में कभी दिलचस्पी नहीं लेता, जिस कारण प्रतिवर्ष विद्युत दरों में बढ़ोतरी के साथ-साथ फिक्स्ड चार्जेस व अन्य दरों में बढ़ोतरी हो जाती है,जिसका खामियाजा उपभोक्ताओं को भुगतना पड़ता है।

नेगी ने कहा कहा कि वर्ष 2019-20 में सरकार द्वारा 14139.31 मिलियन यूनिट्स खरीदी गई एवं उसके सापेक्ष 12538.65 मिलियन यूनिट्स बेची गई, इस प्रकार 1600.66 मिलियन यूनिट्स यानी 160 करोड़ यूनिट्स लाइन लॉस में चली गई। इसी प्रकार वर्ष 2018-19 में 14083.69 मिलियन यूनिट्स खरीद के सापेक्ष 12295.20 मिलियन यूनिट्स बेची गई, इस प्रकार 1788.49 मिलियन यूनिट्स लाइन लॉस में चली गई। इस लाइन लॉस की चलते सरकार को प्रतिवर्ष अरबों रुपए का आर्थिक नुकसान हो रहा है। नेगी ने कहा कि अगर वितरण हानियों की बात करें तो वर्ष 2019-20 में 13.40 फीसदी तथा वर्ष 2018-19 में 14.32 फीसदी थी तथा वहीं दूसरी ओर एटी एंड सी हानियां वर्ष 2019-20 में 20.44 फीसदी तथा वर्ष 2018-19 में 16.52 फीसदी थी। पहले फिक्स्ड चार्जेस रुपए 60-95-165-260 था तथा वर्तमान में 60-120-200-300 हो गया है तथा इसी प्रकार विद्युत दर 2.80-3.75-5.15-5.90 के पश्चात वर्तमान में 2.80-4.00-5.50-6.25 हो गई है। हैरानी की बात यह है कि उपभोक्ताओं को कैसे राहत मिले, इस मामले में नियामक आयोग ने कभी कोई कार्रवाई नहीं की और न ही कभी स्वत: संज्ञान लेकर उपभोक्ताओं की पीड़ा दूर की। नेगी ने तंज कसते हुए कहा कि अगर विद्युत नियामक आयोग विद्युत दरें बढ़ाने के अलावा कुछ कर ही नहीं सकता है तो आयोग और उसके द्वारा की जा रही जनसुनवाई का औचित्य क्या है? पत्रकार वार्ता में दिलबाग सिंह, भीम सिंह बिष्ट, अमित जैन व मुकेश पसबोला मौजूद थे।

योजनाओं के प्रस्तावों पर जनप्रतिनिधि की सलाह न लेने पर भड़के पंचायत प्रतिनिधि

विशेष संवाददाता

पिथौरागढ़। जिले में बन रही विकास एवं रोजगार की योजनाओं के प्रस्ताव बनातें समय निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की सलाह नहीं लेने पर पंचायत प्रतिनिधि भड़क गए। उन्होंने कहा कि अगर विकास विभाग चेता नहीं तो वे धरना प्रदर्शन कर अपनी आवाज को बुलंद करेंगे।

जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने कहा कि जिले में विभिन्न योजनाओं में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की सलाह नहीं लिए जाने पर ग्रामीण विकास विभाग के खिलाफ पंचायत प्रतिनिधियों ने मोर्चा खोल दिया गया है। उन्होंने कहा कि अगर विभाग ने अपनी आदत नहीं बदली तो वह मुख्य विकास अधिकारी कार्यालय के आगे धरना प्रदर्शन करेंगे। कहा कि जिले में बीएडीपी, मुख्यमंत्री बीएडीपी, जिला योजना के अलावा अन्य योजनाओं के प्रस्ताव तैयार करते समय निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की राय तक नहीं ली जा रही है। इन योजनाओं के लिए प्रस्ताव तैयार करने के लिए बैठकों को आयोजित तक नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उक्त विशेष योजनाओं के साथ-साथ हर विभाग की योजना के प्रस्ताव जनप्रतिनिधि यों के सुझाव के आधार पर तैयार की जानी चाहिए। पंचायत एक्ट भी इस बात को प्रमाणित करता है।

उन्होने कहा कि जिले के भीतर एक्ट का खुला उल्लंघन किया जा रहा है। राज्य सरकार के अधिकारी तथा नौकरशाह आपस में बैठकर योजनाओं को तैयार कर रहे है। उन्होंने कहा कि बीएडीपी में करोड़ों रुपए खर्च किए जा चुके है। जिले के मूनाकोट, कनालीछीना, धारचूला तथा मुनस्यारी विकासखंड में एक भी योजना दिखाने लायक नहीं है। जिसने सीमा क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा किए है। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही जिले के त्रिस्तरीय पंचायतों के जनप्रतिनिधि बैठक आयोजित इस मसले पर गहन विचार विमर्श किया जाएगा।

अधिकारियों की लापरवाही का खामियाजा भुगत रही है जनताः चोपड़ा

विशेष संवाददाता

हरिद्वार। महाशिवरात्रि का कावड़ मेला बीत जाने के उपरांत हरिद्वार मोती बाजार स्थित मनसा देवी रोपवे के समीप स्थित संकरी गलियां कूड़ा- करकट से अटी पड़ी हैं। जिसके कारण आसपास रहने वालों का दुर्गंध का सामना करना पड़ रहा है।

जल संस्थान, पर्यावरण विभाग, नगर निगम, नमामि गंगे गंगा प्रदूषण इकाई के अधिकारियों की घोर लापरवाही पर अपना रोष प्रकट करते हुए पूर्व कृषि उत्पादन मंडी समिति अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने ई-मेल द्वारा केंद्रीय हरित पर्यावरण प्राधिकरण एनजीटी को शिकायत कर लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहे लापरवाह अधिकारियों पर बड़ी कार्रवाई की मांग की गयी है।

इस अवसर पर संजय चोपड़ा ने कहा हरिद्वार के मोती बाजार में आए दिन भारी तादाद में श्रद्धालुओं का आगमन रहता है और शिवरात्रि का कावड़ मेला संपन्न हुए एक सप्ताह बीत गया है लेकिन अधिकारियों की धींगा मस्ती व लापरवाही के चलते आसपास की जनता को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। चोपड़ा ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि शीघ्र ही मामले की गंभीरता को देखते हुए जल संस्थान में विभागीय अधिकारियों द्वारा संज्ञान नहीं लिया तो अधिकारियों के कार्यालय पर घेराव कर चरणबद्ध तरीके से आंदोलन किए जाएंगे जिसकी समस्त जिम्मेदारी संबंधित विभागीय अधिकारियों की होगी।

❑गलियों में पड़े कूड़ा-करकट से आमजन परेशान

एक नजर

पीएम मोदी ने पुणे मेट्रो रेल परियोजना का उद्घाटन किया, स्वयं टिकट खरीदकर की ट्रेन में यात्रा

पुणे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ३२.२ किलोमीटर लंबी परियोजना के १२ किलोमीटर के हिस्से का गरवारे मेट्रो स्टेशन पर उद्घाटन किया और एक काउंटर से स्वयं टिकट खरीदकर ट्रेन में यात्रा की। इस स्टेशन से करीब पांच किलोमीटर दूर स्थित आनंदनगर स्टेशन तक मेट्रो की यात्रा की। मोदी ने १० मिनट की इस यात्रा के दौरान मेट्रो के डिब्बे में मौजूद दृष्टिहीन लोगों समेत दिव्यांगजनों से बातचीत की। पीएम ने कहा कि इस समय देश ७५वां आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। भारत की आज़ादी में पुणे का

ऐतिहासिक योगदान रहा है। मैं इस धरती के सभी स्वतंत्र सेनानियों को आदरपूर्वक श्रद्धांजलि देता हूं। मुझे आज छत्रपति शिवाजी महाराज जी की भव्य प्रतिमा का लोकार्पण करने का सौभाग्य मिला है। गरवारे स्टेशन से मेट्रो ट्रेन में सवार होने से पहले मोदी ने वहां लगाई गई परियोजना की एक प्रदर्शनी का भी निरीक्षण किया। मेट्रो परियोजना के १२ किलोमीटर लंबे मार्ग में दो मेट्रो लाइन पर गरवारे कॉलेज से वनाज (पांच किमी) तक और पिंपरी चिंचवाड़ नगर निकाय से फुगेवाड़ी (सात किमी) तक प्राथमिकता वाले दो खंड शामिल हैं। पुणे मेट्रो परियोजना की कुल लागत ११,४०० करोड़ रुपये से अधिक है। प्रधानमंत्री ने २४ दिसंबर, २०१६ को इस परियोजना की आधारशिला रखी थी।

महिला वर्ल्ड कप के मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 108 रन से हराया

नई दिल्ली। महिला वर्ल्ड कप में आज खेले गए अपने पहले मुकाबले में भारत ने अपने प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 107 रन के विशाल अंतर से हरा दिया है। वर्ल्ड कप में भारतीय महिला टीम की पकिस्तान पर यह चौथी जीत है।

भारतीय टीम ने आज टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। भारतीय महिला बल्लेबाज पूजा वस्त्रकार के 59 बॉल पर 67 रन, स्नेह राणा ने 53 और स्मृति मंधाना के 25 रनों की बदौलत भारत ने 7 विकेट पर 244 रन बनाये गये। जिसके जवाब में पाकिस्तान की पूरी टीम 137

रन पर सिमट गयी।जवाब में जब पाकिस्तान टीम 245 रनों का लक्ष्य लेकर उतरी तो उसके लिए इस लक्ष्य का पीछा करना पहाड़ सरीखा साबित हुआ और पाकिस्तान की पूरी टीम 137 रन पर सिमट गयी। हालांकि भारत की बल्लेबाजी की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही एक समय में भारत का स्कोर 5 विकेट पर 18 रन था। बाद में पूजा वस्त्रकार के 59 बॉल पर 67 रन, स्नेह राणा के 53 और स्मृति मंधाना के 52 रनों की बदौलत भारत ने 7 विकेट पर 244 रन बनाये।

लैंडिंग के समय कोस्ट गार्ड के विमान के इंजन में आई खराबी, रनवे से बाहर निकला

कानपुर। कानपुर के चकेरी एयरपोर्ट पर एक बड़ा हादसा टल गया है। दरअसल, चेन्नई से कानपुर पहुंचा तट रक्षक का डोर्नियर विमान लैंडिंग के बाद हादसे का शिकार हो गया। विमान की लैंडिंग के समय उसके इंजन

में तकनीकी खराबी आ गई। इस वजह से विमान लैंडिंग के बाद भी नहीं रूका और रनवे से बाहर चला गया। काफी देर तक रनवे पर चलने के बाद विमान एक ढांचे से टकरा गया। इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। पूरे हादसे का वीडियो भी सामने आया है। इस बीच एयरपोर्ट के अधिकारियों के हवाले से सामने आई जानकारी के अनुसार विमान के बाएं इंजन ने लैंडिंग के ठीक बाद काम करना बंद कर दिया था। इसलिए जैसे ही पायलटों ने विमान को उतारा, वह दाईं ओर चला गया और टकरा गया। हादसे के बाद विमान को भी बड़ा नुकसान पहुंचने की खबर नहीं है। बताया जा रहा है कि हादसा मंगलवार को हुआ, जिसका वीडियो अब सामने आया है।

यूक्रेन में फंसे लोगों के लिए नई एडवाइजरी जारी

तुरंत भरे गूगल फॉर्म: दूतावास

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली/देहरादून। रूस और यूक्रेन के बीच छिड़े भीषण युद्ध के दौरान यूक्रेन में फंसे भारतीयों की सुरक्षित वापसी को लेकर सरकार की ओर से प्रयास और तेज कर दिए गए हैं। यूक्रेन स्थित भारतीय दूतावास द्वारा आज यहां फंसे भारतीय छात्रों और नागरिकों के लिए नई एडवाइजरी जारी करते हुए इन सभी से तत्काल गूगल फार्म भरने को कहा गया है।

भारत सरकार का दावा है कि अब तक यूक्रेन में फंसे 20 हजार के लगभग छात्र व नागरिक यूक्रेन छोड़ चुके हैं तथा 13 हजार लोगों को मिशन गंगा के तहत वापस लाया जा चुका है। वहीं बीते कल 15 उड़ानों के जरिए 2900 लोगों को वापस लाने की बात कही गई है तथा आज भी 13 उड़ानों के जरिए देर रात तक 2200 लोगों को लाये जाने की बात कही जा रही है। लेकिन यूक्रेन से मिल रही खबरों के अनुसार अभी लगभग 700 छात्र सूगी शहर में फंसे हुए हैं तथा अन्य

❑सूगी में फंसे छात्रों को निकालने के प्रयास तेज

कई शहरों में भी कुछ लोगों के फंसे होने की बात कही गई है। सरकार का दावा है कि कीव व खारकीव में अब कोई भी भारतीय नहीं बचा है सभी वहां से निकल चुके हैं।

अभी कुल और कितने भारतीय यूक्रेन में फंसे हुए हैं इसकी कोई निश्चित संख्या की जानकारी नहीं है, लेकिन अभी यूक्रेन के कुछ शहरों में लोग फंसे हुए हैं। जिनकी संख्या एक हजार से अधिक हो सकती है। इन्हें निकालना अब इसलिए मुश्किल हो रहा है क्योंकि 11वें दिन युद्ध भीषण गोलाबारी व मिसाइल हमलों के कारण खतरनाक दौर में पहुंच चुका है।

यूक्रेन में फंसे लोगों को सुरक्षित वापस लाया जा सके इसके लिए भारत सरकार ने यूक्रेन और रूस से सीजफायर की अपील की है वहीं इस बीच भारतीय दूतावास द्वारा इन नागरिकों के लिए एक गूगल फार्म तत्काल भरने को कहा गया है जिससे इनकी सही जानकारी व संख्या क्या है? तथा उनकी लोकेशन क्या है और उनके हालात क्या हैं? आदि की जानकारी मिल सके। जिसे यूक्रेन और रूस सरकार को अवगत कराया जा सके तथा उनकी वापसी का रास्ता निकाला जा सके। जहां तक उत्तराखंड की बात है तो अब तक 148 छात्र वापस अपने घर पहुंच चुके हैं तथा कुछ छात्रों के यूक्रेन से बाहर निकल आने और रास्ते में होने की बात कही जा रही है। लेकिन इसके साथ ही 50 के लगभग छात्रों के अभी यूक्रेन में फंसे होने की संभावना है। जैसे-जैसे समय बीत रहा है छात्रों की सुरक्षा को लेकर उनके परिजनों की चिंता भी बढ़ती जा रही है।

अश्लील मैसेज करने पर एक पर मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। युवती को अश्लील मैसेज भेजने व अभद्र भाषा का प्रयोग करने पर पुलिस ने एक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नालापानी रोड निवासी युवती ने साइबर थाने में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उसके फोन पर अलग-अलग नम्बरों व फेक आईडी बनाकर सोशल मीडिया अकाउंट का प्रयोग कर उसके साथ अभद्र व्यवहार करना व परेशान करने की नीयत से उसको अश्लील मैसेज भेजे जा रहे हैं। साईबर थाना पुलिस ने नम्बरों की जांच की तो वह नम्बर शिवम चौधरी पुत्र पुष्पेन्द्र चौधरी निवासी जाट कालोनी मुजफ्फरनगर के नाम से पायी गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कार की चपेट में आकर स्कूटी सवार घायल

संवाददाता

देहरादून। कार की चपेट में आकर स्कूटी सवार महिला घायल हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार झाझरा निवासी विकास चडढा ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पत्नी अपनी स्कूटी से बाजार से घर की तरफ आ रही थी जब वह सुद्धोवाला पेट्रोल पम्प के पास पहुंची तभी तेज गति से आ रही कार ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गयी तथा स्कूटी भी क्षतिग्रस्त हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सत्यापन अभियान: पुलिस ने 66 व्यक्तियों का चालान कर 6,60,000 रुपए का जुर्माना किया

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने सत्यापन अभियान चलाकर 66 उन मकान मालिकों का चालान किया जिन्होंने किरायेदारों का सत्यापन नहीं कराया था।

आज यहां उपमहानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के द्वारा बाहरी व्यक्तियों के सत्यापन हेतु अभियान चलाकर कार्यवाही करने हेतु आदेशित किया गया है जिस क्रम में पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी नगर के निकट पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष बसंत विहार के द्वारा थाना-चौकी के समस्त अधिकारी,कर्मचारी गणों को उचित दिशा-निर्देश देते हुए तथा अलग-अलग टीमें गठित कर थाना बसंत विहार के क्षेत्र शास्त्री

नगर खाला, हरवंश वाला, ऋषि विहार, मच्छी तालाब, इंजीनियरिंग एनक्लेव फेज 2/3 आदि क्षेत्रों में बाहरी क्षेत्र से आए निवासरत व्यक्तियों का सत्यापन किया गया। सत्यापन की कार्रवाई के दौरान अलग-अलग टीमों द्वारा अलग-अलग स्थानों पर बाहरी व्यक्तियों का सत्यापन न करवाने पर 66 व्यक्तियों (जिन्होंने अपने किरायेदारों का सत्यापन नही कराया) पर चालानी कार्रवाई करते हुए 6,60,000 रुपए जुर्माना किया गया।

वाहन चोरी करते पकड़ा

संवाददाता

देहरादून। वाहन चोरी कर भाग रहे युवक को स्थानीय लोगों ने पकड कर पुलिस के हवाले किया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उपरला आमवाला निवासी कमल सिंह चौहान ने रायपुर थाना पुलिस को सूचना दी कि वह किसी काम से खंगला आ रखा था तथा उसने अपनी स्कूटी बाहर खडी की थी। लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि एक युवक उसकी स्कूटी ले जा रहा था उसके शोर मचाने पर आसपास के लोगों ने युवक को दबोच लिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और चोर को अपने कब्जे में ले लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम आशुतोष पाठक पुत्र लक्ष्मीकान्त पाठक निवासी धोबीघाट नालापानी बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*
कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।